संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 153 रविवार 06 अप्रैल 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

रामनवमी पर देश को मिलेगी बड़ी सौगात

नए पंबन रेल ब्रिज का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

चेन्नई,05 अप्रैल 2025(ए)। पीएम मोदी छह अप्रैल को रामेश्वरम में भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री कई अन्य परियोजनाओं को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। आधिकारिक कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर भारतीय रेलवे ने नये पंबन पुल का एक वीडियो भी जारी किया। रेल मंत्रालय ने कहा,पंबन पुल विरासत और नयी प्रौद्योगिकी का बेहतरीन मिश्रण है, जो शानदार दृश्य पेश करता है। इस राम नवमी पर भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट रेलवे समुद्री पुल का उद्घाटन होने जा रहा है। इस पुल को 550 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है।

पीएम मोदी ने एक्स पर दी जानकारी

पीएम मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसकी जानकारी दी है। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा,कल, 6 अप्रैल को, रामनवमी के पावन अवसर पर, मैं तमिलनाडु के अपने भाइयों और बहनों के बीच आने के लिए उत्सुक हूं। नए पंबन रेल ब्रिज का उद्घाटन किया जाएगा। मैं श्री अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिर में प्रार्थना करूंगा। 8300 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन या शिलान्यास भी किया जाएगा।

क्या है पंबन ब्रिज की खासियत

पंबन पुल का गहरा सांस्कृतिक महत्व है। रामायण के अनुसार, राम सेतु का निर्माण रामेश्वरम के पास धनुषकोडी से शुरू हुआ था। 550 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 2.08 किमी लंबे इस पुल का निर्माण किया गया है। नया पंबन ब्रिज भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे ब्रिज है। 72.5 मीटर लंबे पुल को 17 मीटर तक ऊपर उठाया जा सकता है,जिससे बड़े जहाज इसके नीचे से गुजर सकते हैं। नया पुल मौजूदा पुल से 3 मीटर ऊंचा है, जिससे समुद्री संपर्क में सुधार हुआ है। पुल का निर्माण स्टेनलेस स्टील की ताकत, उच्च श्रेणी के सुरक्षात्मक पेंट और पूरी तरह से वेल्डेड जोड़ों के साथ किया गया है। विशेष पॉलीसिलोक्सेन कोटिंग इसे जंग से बचाती है, जिससे मुश्किल समुद्री वातावरण में भी इसकी लंबी उम्र सुनिश्चित होती है।

नई ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी

पीएम मोदी छह अप्रैल को नए पंबन रेलवे पुल का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वह रामेश्वरम-ताम्बराम (चेन्नई) नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे। इस दौरान एक तटरक्षक जहाज को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पीएम मोदी दोपहर करीब पौने एक बजे रामेश्वरम स्थित प्रसिद्ध रामनाथस्वामी मंदिर में दर्शन और पूजा के लिए जाएंगे। इसके बाद करीब डेढ़ बजे तमिलनाडु में 8,300 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न रेल और सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे तथा उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

कई सड़क मार्गों की सौगात

इन परियोजनाओं में एनएच-40 के 28 किलोमीटर लंबे वालाजापेट-रानीपेट खंड को चार लेन का बनाने के कार्य का शिलान्यास और एनएच-332 के 29 किलोमीटर लंबे विलुप्पुरम-पुदुचेरी खंड को चार लेन का बनाने का काम, एनएच-32 का 57 किलोमीटर लंबा पूंडियनकुप्पम-सत्तनाथपुरम खंड और एनएच-36 का 48 किलोमीटर लंबा चोलापुरम-तंजावुर खंड शामिल हैं। इस पुल का बहुत गहरा सांस्कृतिक महत्व है। रामायण के अनुसार, राम सेतु का निर्माण रामेश्वरम के पास धनुषकोडी से शुरू हुआ था। नए पंबन पुल का निर्माण रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) द्वारा किया गया,जो रेलवे मंत्रालय के तहत काम करने वाला एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

महत्वपूर्ण खबर

पीएम मोदी को दी गई 21 तोपों की सलामी एवं गार्ड आफ ऑनर

श्रीलंका में पीएम मोदी का हुआ ग्रैंड वेलकम,गूंजे मोदी-मोदी के नारे

नई दिल्ली,05 अप्रैल 2025(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थाईलैंड के दौरे के बाद तीन दिनों के श्रीलंका के दौरे पर पहुंच चुके हैं। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में पीएम मोदी का ग्रैंड तरीके से स्वागत किया गया। शनिवार सुबह पीएम मोदी का श्रीलंका में औपचारिक स्वागत किया गया और उनके सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

श्रीलंका ने पीएम मोदी को 'मित्र विभूषण' से सम्मानित किया

श्रीलंका ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'मित्र विभूषण' मेडल से सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और साझा सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है।

कॉमेडियन कुणाल कामरा फिर मुंबई पुलिस के सामने नहीं हुए पेश

मुंबई,05 अप्रैल 2025(ए)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का नाम लिए बगैर उन पर टिप्पणी कर फंसे कॉमेडियन कुणाल कामरा शनिवार को भी मुंबई की खार पुलिस के समक्ष पेश नहीं हुए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह तीसरी बार है जब कुणाल कामरा समन जारी किए जाने के बावजूद उपस्थित नहीं हुए हैं। खार थाना पुलिस ने कुणाल कामरा को इससे पहले भी दो समन जारी कर पूछताछ के लिए हाजिर होने के लिए कहा था, लेकिन कामरा हाजिर नहीं हुए थे।

प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि पर मनीष सिसोदिया ने की सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली,05 अप्रैल 2025(ए)। प्राइवेट स्कूलों द्वारा की जा रही फीस वृद्धि को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। आप के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को प्रेसवार्ता कर भाजपा सरकार और प्राइवेट स्कूलों के बीच सांठगांठ का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की।

अब महिला सेक्स वर्कर्स को पुलिस नहीं बनाएगी आरोपी

भोपाल,05 अप्रैल 2025(ए)। मध्यप्रदेश में अनैतिक देह व्यापारसे जुड़े मामलों में एक अहम बदलाव लाया गया है। पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी किया है कि होटल और ढाबों में पुलिस रेड के दौरान यदि कोई महिला सेक्स वर्कर पाई जाती है, तो उसे अब से आरोपी नहीं बनाया जाएगा। यह आदेश राज्य की विशेष पुलिस महानिदेशक प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों और भोपाल व इंदौर के पुलिस कमिश्नरों को भेजा है।

शिवराज सिंह चौहान के काफिले की गाड़ी पलटी

3 जवान घायल,जिला अस्पताल में भर्ती

सीहोर,05 अप्रैल 2025(ए)। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के काफिले में शामिल एक गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। यह वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसके कारण तीन जवान घायल हो गए। घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। यह घटना उस समय हुई जब शिवराज सिंह चौहान भोपाल से देवास जिले के खातेगांव संदलपुर जा रहे थे। हादसा आष्टा थाना क्षेत्र के ग्राम बेदाखेड़ी के पास हुआ।

फर्जी डॉक्टर के दिल के ऑपरेशन में 7 की मौत

खुद को बताया प्रसिद्ध ब्रिटिश हृदय रोग विशेषज्ञ,प्रशासन में हड़कंप

दमोह,05 अप्रैल 2025 (ए)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक फर्जी डॉक्टर ने मिशनरी अस्पताल में खुद को कार्डियोलॉजिस्ट बताकर हार्ट सर्जरी की और कथित रूप से 7 मरीजों की मौत हो गई। फर्जी डॉक्टर द्वारा दिल का ऑपरेशन की मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। आरोपी ने खुद को प्रसिद्ध ब्रिटिश हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ एन जॉन केम बताकर अस्पताल में नौकरी हासिल की। उसने कई मरीजों की हार्ट सर्जरी की, जिनमें से 7 की मौत हो गई। जांच के दौरान पता चला कि उसका असली नाम नरेंद्र विक्रमादित्य यादव है और वह पहले भी विभिन्न विवादों में शामिल रहा है।

फिलहाल जांच एजेंसियों ने अस्पताल से संबंधित सभी दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। दस्तावेजों की छानबीन के दौरान पाया गया कि आरोपी ने ब्रिटिश डॉक्टर से मिलते-जुलते फर्जी प्रमाण पत्र जमा किए थे। दमोह के जिलाधिकारी सुधीर कोचर और पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रामनवमी पर सजी भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या

ठीक 12 बजे रामलला का होगा सूर्यतिलक, दिनभर अनेक कार्यक्रम

अयोध्या,05 अप्रैल 2025 (ए)। भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या में रामनवमी का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। निर्माणाधीन राम मंदिर के गर्भगृह में विराजमान रामलला का लगातार दूसरे साल सूर्यतिलक होने जा रहा है। इसके लिए आईआईटी रुड़की, चेन्नई आदि के वैज्ञानिकों के अलावा विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञों ने शनिवार को सूर्य तिलक का ट्रॉयल किया। दोपहर ठीक 12 बजे शुरू हुआ यह ट्रॉयल 90 सेकंड तक हुआ. इसमें भगवान भुवन भास्कर खुद अपनी किरण रश्मियों से भगवान का तिलक कर रहे थे। मंदिर प्रबंधन के मुताबिक यह प्रक्रिया करीब 8 मिनट तक चलती रही. इसके लिए गर्भगृह में 3 मिनट तक पर्दा लगा रहा. इस अवसर पर गर्भगृह में दो मोटे पर्दे लगाए गए थे. इसके बाद आईआईटी रूड़की, आईआईटी चेन्नई के वैज्ञानिकों के अलावा देश के विख्यात संस्थानों के वैज्ञानिकों ने ट्रॉयल शुरू किया।

अगले 20 साल तक हर रामनवमी होगा आयोजन

श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने इस संबंध में पूरी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि अब अगले 20 साल तक हर रामनवमी में सूर्यदेव रामलला का अपनी किरण रश्मियों से खुद तिलक करेंगे। इसके लिए जरूरी सिस्टम को मंदिर में स्थाई तौर पर लगाया जा रहा है। बता दें कि त्रेता युग में भगवान नारायण ने राम रूम में भगवान सूर्य के वंश में अवतार लिया था।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आईओएस सागर को दिखाएं हरी झंडी

कारवार नेवल बेस पर कई परियोजनाओं किए उद्घाटन

कारवार (कर्नाटक),05 अप्रैल 2025(ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कर्नाटक में रणनीतिक रूप से अहम करवार नौसैनिक अड्डे से शनिवार को हिंद महासागर पोत 'सागर' (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) को हरी झंडी दिखाऐ। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करना है। अधिकारियों ने बताया कि नौसैनिक अड्डे का दौरा करते समय वह कुछ नवविकसित बुनियादी ढांचे का भी उद्घाटन किए। नौसेना अहम नौसैनिक अड्डे का परियोजना 'सीबर्ड' के तहत विस्तार कर रही है।

आईएनएस सुनयना को दिखाएं हरी झंडी रक्षा मंत्री कार्यालय ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हिंद महासागर पोत 'सागर' के रूप में आईएनएस सुनयना को हरी झंडी दिखाएं जिस पर 44 कर्मी सवार हैं।'' इसने इस पोस्ट में एक वीडियो भी साझा किया है जिसमें इस मिशन के तहत जमीन और समुद्र दोनों पर आयोजित प्रशिक्षण चरणों को दर्शाया गया है।

इसरो के पीओईएम-4 की घर वापसी

अंतरिक्ष में फसल उगाने के बाद हाथ लगी एक और सफलता

बेंगलुरु,05 अप्रैल 2025(ए)। भारत का पीएसएलवी आर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल-4 (पीओईएम-4) सफलता का एक और झंडा गाड़कर धरती के वातावरण में लौट गया है। पीओईएम-4 का सुरक्षित पुनःप्रवेश अंतरिक्ष में बढ़ते मलबे को रोकने की दिशा में एक और उपलब्धि है। यह अंतरिक्ष पर्यावरण और मलबा मुक्त अंतरिक्ष मिशन में भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी की प्रमुख भूमिका की पुष्टि करता है। इसरो ने कहा कि अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग मिशन के लिए इस्तेमाल किए गए ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान के ऊपरी चरण पीओईएम-4 पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश कर गया है। इसरो ने एक्स पर पोस्ट किया, पीओईएम-4 मॉड्यूल ने वायुमंडल में पुनः प्रवेश किया। चार अप्रैल 2025 को भारतीय समय अनुसार पूर्वाह्न आठ बजकर तीन मिनट पर हिंद महासागर क्षेत्र में पहुंचा।

बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार विचाराधीन कैदियों की हो सकती है रिहाई

नई दिल्ली,05 अप्रैल 2025(ए)। देश की जेलों में 75 प्रतिशत से अधिक विचाराधीन कैदी हैं,जिनमें बड़ी संख्या में बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार लोग शामिल हैं। नालसा ने इन कैदियों की दयापूर्ण रिहाई के लिए सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है।देशभर की जेलों में मौजूदा समय में 5 लाख 6 हजार के आसपास कैदी बंद हैं, जिनमें से 3 लाख 77310 कैदी विचाराधीन है. यानी कि कुल 75 फीसदी के आसपास कैदी विचाराधीन कैदी है। उसमें कई बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार कैदी शामिल हैं। इसको लेकर नालसा ने सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की है, जिसमें बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार कैदियों की रिहाई की मांग की गई है।

भीषण सड़क हादसे मे पांच लोगों की मौत,11 घायल

कलबुर्गी ,05 अप्रैल 2025(ए)। कर्नाटक के कलबुर्गी में नेलोगी क्रॉस के पास एक वैन खड़े ट्रक से टकरा गई, जिसके परिणामस्वरूप पांच लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। सभी मृतक बागलकोट जिले के निवासी थे। घायलों को कलबुर्गी अस्पताल में भर्ती कराया गया और कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक ए. श्रीनिवासुलु ने घटना की जांच की तथा नेलोगी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया। जानकारी के मुताबिक घटना कलबुर्गी जिले में नेलोगी क्रॉस के पास शनिवार की सुबह करीब साढ़े तीन बजे हुई जिसमें एक वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। घटना की सूचना मिलते ही कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक ए श्रीनिवासुलु पूरी टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे और मामले जांच की। पुलिस ने नेलोगी थाने में मामला दर्ज कर लिया है।

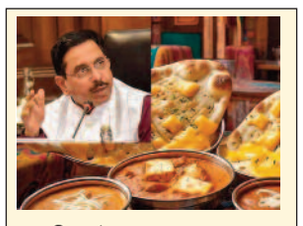

पनीर के नाम पर जहर परोसा जा रहा है...

प्रहलाद जोशी की स्वास्थ्य मंत्री नड्डा को लिखी ये चिट्ठी

नई दिल्ली,05 अप्रैल 2025 (ए)। रेस्टोरेंट्स और बाजारों में नकली और मिलावटी पनीर बिकने की शिकायतों को देखते हुए कंस्यूमर अफेयर्स मिनिस्टर प्रहलाद जोशी ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा से इस मामले में कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

मणिपुर में शांति बहाली की कोशिश में जुटा केंद्र

नई दिल्ली,05 अप्रैल 2025(ए)। मणिपुर में शांति की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। शनिवार को मणिपुर के मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ केंद्र सरकार ने बैठक की है। बैठक का उद्देश्य दोनों समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजना है।बैठक का फोकस मैतेई और कुकी के बीच विश्वास और सहयोग बढ़ाना और मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति को बहाल करने के लिए रोडमैप तैयार करना है। बैठक में सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और दोनों समुदायों के बीच सामंजस्य स्थापित करने पर अधिक जोर दिया।

संपादकीय

रेलवे के खराब रख-रखाव के कारण जोखिम

ओडिशा के कटक में नेरगुंडी स्टेशन के पास बैंगलोर-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस का बे-पटरी होना वाकई दुखद है। खबर है कि ट्रेन के ग्यारह डिब्बे पटरी से उतर गए और एक शख्स की मौत हो गई है जबकि कई घायल हैं। हालांकि ट्रेन के पटरी से उतरने का कारण अभी पता नहीं चला है,परंतु जांच के आदेश दिए जा चुके हैं। ट्रेनों के पटरी से उतरने के मुख्य कारणों में ट्रैक की खराबी के साथ ही टूटी पटरियां,गलत ट्रैक होना या स्विच की खराबी होती है। कई बार रेलवे के खराब रख-रखाव के कारण भी जोखिम बढ़ जाता है। मैकेनिकल फाल्ट या ट्रैक पर लगे उपकरणों की उचित देखभाल न होने के कारण भी पटरी से ट्रेन उतर सकती है। विशेषज्ञ बाताते हैं, अत्यधिक गरमी के कारण पटरियों पर पड़ने वाली दरारें या डब्बों को आपस में जोडऩे वाले उपकरणों को सलीके न बांधे जाने के कारण भी यह हादसा होने की आशंकाएं बढ जाती हैं। चूंकि अपने देश का रेल नेटवर्क दुनिया का चौथा सबसे बड़ा है, जिसमें बड़ी संख्या में यात्री व भारी-भरकम सामान का आवागमन होता है। नियंत्रक व महालेखा परीक्षक ने हर साल एक लाख से अधिक सिग्नल व रोलिंग स्टॉक मेमोरी की विफलता की तरफ भी इशारा किया है। पुरानी हो चुकी पटरियों पर जब ओवर-लोडेड ट्रेनें तेज रफ्तार से गुजरती हैं तो इन पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और टूटने का खतरा बढ़ जाता है। पिछली कई दुर्घटनाओं में पाया गया कि इनके पीछे चालकों की थकान व काम का बोझ भी है। सिग्नल विफलताएं, तकनीकी खामियां, रख-रखाव संबंधी लापरवाहियां भी कम नहीं हो रहीं। मानवीय गलतियों को लेकर जितना हो-हल्ला होता है, उससे ज्यादा तकनीकी गड़बड़ी तथा खरीद में लापरवाही भी दोषी है। रेलवे की गलतियों के अलावा अराजक तत्वों की शरारत, जानबूझकर कर की गई तोड़-फोड़ भी होती है। जिसे रोकना बड़ी चुनौती है।

रामनवमी(6 अप्रैल)पर विशेष

रामनवमी:मर्यादा,न्याय और धर्म की विजय का पर्व

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में समूचे भारतवर्ष में प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष नवमी को अपार श्रद्धा,भक्ति और उल्लास के साथ रामनवमी का त्यौहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 6 अप्रैल को मनाया जा रहा है। इस दिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में उत्सवों का विशेष आयोजन होता है, जिनमें भाग लेने के लिए देशभर से हजारों भक्तगण अयोध्या पहुंचते हैं तथा अयोध्या स्थित सरयू नदी में पवित्र स्नान कर पंचकोसी की परिक्रमा करते हैं। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आती है और हर तरफ भजन-कीर्तनों तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ती है। देशभर में अन्य स्थानों पर भी जगह-जगह इस दिन श्रद्धापूर्वक हवन,व्रत, उपवास, यज्ञ, दान-पुण्य आदि विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है।

मान्यता है कि त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या के महाराजा दशरथ की पटरानी महारानी कौशल्या ने मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम को जन्म दिया था। श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्त बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा दिया और उसे मोक्ष प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया।

महारानी केकैयी ने महाराजा दशरथ से जब राम को 14 वर्ष का वनवास दिए जाने और अपने लाड़ले पुत्र भरत को राम की जगह राजगद्दी सौंपने का वचन मांगा तो दशरथ गंभीर धर्मसंकट में फंस गए थे। वह बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम

में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मर्यादा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता केकैयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े।

वनवास की यात्रा की शुरूआत श्रृंगवेरपुर नामक स्थान से प्रारंभ कर वहां से वे भारद्वाज मुनि के आश्रम में चित्रकूट पहुंचे। उसके बाद विभिन्न स्थानों की यात्रा के दौरान पंचवटी में उन्होंने अपनी कुटिया बनाने का निश्चय किया। यहीं पर रावण की बहन शूर्पणखां की नाक काटे जाने की घटना हुई। उसी घटना के कारण वहां खर-दूषण सहित 14000 राक्षस राम-लक्ष्मण के हाथों मारे गए। यहीं से श्रीराम व लक्ष्मण की अनुपस्थिति में लंका का राजा रावण माता सीता का अपहरण कर उन्हें अपने साथ लंका ले गया।

कहा जाता है कि जब सीता का विरह श्रीराम से नहीं सहा गया तो उन्होंने साधारण मनुष्य की भांति विलाप किया लेकिन हिम्मत न हारते हुए सीता जी की खोज में राम-लक्ष्मण जंगलों में भटकने लगे। इसी दौरान उनकी भेंट श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान से हुई, जिन्होंने राम-लक्ष्मण को वानरराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव से मिलाया,जो उस समय बाली के भय से यहां-वहां छिपता फिर रहा था। श्रीराम ने बाली का वध करके सुग्रीव तथा बाली के पुत्र अंगद को किष्किंधा का शासन सौंपा और उसके बाद सुग्रीव की वानरसेना के नेतृत्व में लंका पर आक्रमण कर देवताओं पर भी विजय पाने वाले महाप्रतापी, महाबली, महापंडित तथा भगवान शिव के घोर उपासक लंका नरेश राक्षसराज रावण का वध कर सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया और लंका पर खुद अपना अधिकार न जमाकर लंका का शासन रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया तथा वनवास की अवधि समाप्त होने पर भैया लक्ष्मण, सीता जी व हनुमान सहित अयोध्या लौट आए।

वास्तव में विधि के विधान के अनुसार राम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेली और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें 'मर्यादा पुरूषोत्तम' कहा गया। जहां तक राम-रावण के बीच हुए भीषण युद्ध की बात है तो वह सिर्फ दो राजाओं के बीच का सामान्य युद्ध नहीं था बल्कि दो विचारधाराओं का संघर्ष था, जिसमें एक मानव संस्कृति थी तो दूसरी राक्षसी संस्कृति। एक ओर क्षमादान की भावना को महत्व देने वाले व जनता के दुख-दर्द को समझने एवं बांटने वाले वीतरागी भाव थे तो दूसरी ओर दूसरों का सब कुछ हड़प लेने की राक्षसी प्रवृत्ति। रावण अन्याय, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य,न्याय एवं सदाचार के। यही नहीं,सीता जी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मर्यादाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। उन्होंने इसके बाद भी रावण को एक महाज्ञानी के रूप में सदैव सम्मान दिया और यह इससे साबित भी हुआ कि रावण की मृत्यु से कुछ ही क्षण पूर्व श्रीराम ने लक्ष्मण को रावण के पास ज्ञान अर्जन के लिए भेजा था। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को 'रामराज्य' कहकर परिभाषित किया जाता है। 'रामराज्य' यानी सुख, शांति एवं न्याय का राज्य।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

प्रेरणा के स्रोत हैं भगवान श्री राम

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

प्रेरणा का सबसे अच्छा उदाहरण वाल्मीकि कृत श्री रामचरितमानस के किष्किन्धा काण्ड में देखा जा सकता है। जब वानर सेना-भगवान राम और हनुमान के नेतृत्व में वानरों की टीम माता सीता को बचाने के लिए लंका पहुँचने के लिए हिंद महासागर के तट पर पहुँची, तो समुद्र को पार करना था -एक ऐसा कार्य जो लगभग असंभव था। इस बिंदु पर, प्रेरणा कारक ने सबसे अधिक काम किया। श्लोकों के अनुसार, टीम के सभी सदस्यों ने हनुमान की प्रशंसा करना शुरू कर दिया ताकि उन्हें अपनी क्षमताओं और क्षमताओं के बारे में बताया जा सके जो पिछली शरारतों के कारण वे भूल गए थे। प्रशंसा ने हनुमान को बड़ा किया जिसने बाद में कार्य को पूरा करने में मदद की। जैसा कि निम्नलिखित अंश हैःतब भालुओं के राजा ने हनुमान की ओर रुख किया हे पराक्रमी हनुमान, सुनिए आप कैसे चुप हैं? पवन-देवता के पुत्र, आप अपने पिता के समान ही शक्तिशाली हैं और बुद्धि, विवेक और आध्यात्मिक ज्ञान के भंडार हैं। इस दुनिया में ऐसा कौन सा कार्य है जिसे पूरा करना आपके लिए कठिन है, प्यारे बच्चे? यह भगवान राम की सेवा के लिए है कि आप पृथ्वी पर आए हैं। जिस क्षण हनुमान ने ये शब्द सुने, वह एक पर्वत के आकार का हो गया, उसका शरीर सोने की तरह चमक रहा था और वैभव से भरा हुआ था मानो वह पर्वतों का एक और राजा (सुमेरु) था। एक शेर की तरह बार-बार दहाड़ते हुए उन्होंने कहा, मैं आसानी से खारे समुद्र को पार कर सकता हूं और रावण को उसकी पूरी सेना के साथ मारकर त्रिकूट पर्वत को उखाड़ सकता हूं और इसे यहां ला सकता हूं। (रामचरितमानस,किष्किन्धा कांड, दोहा-29)। उपर्युक्त अंश में, प्रेरणा को हनुमान के शरीर और शक्ति के विस्तार के रूप में इस तरह दिखाया गया है कि समुद्र पर उड़ने जैसा असंभव कार्य भी संभव हो जाता है और हनुमान उड़कर लंका पहुंच जाते हैं। हालाँकि उपरोक्त प्रकरण प्रेरणा की सार्वभौमिक और साथ ही मनोवैज्ञानिक अवधारणा को सुदृढ़ीकरण के माध्यम से विकसित करता है, यह दर्शाता है कि प्रशंसा कैसे असंभव को संभव बनाने के लिए सुदृढ़ीकरण कारक के रूप में काम करती है। संघर्ष के बीच संतुलन के प्रदर्शन के रूप में स्त्री सुरक्षा के साथ-साथ राजनीतिक उत्तरदायित्व न केवल प्रेरणा में, बल्कि एक महान नेता होने की नैतिकता भगवान राम द्वारा पूरी की गई है (मुनियापन, 2007)। जब 14 साल के वनवास से अयोध्या लौटने के बाद माता सीता द्वारा दी गई अग्निपरीक्षा के बारे में बहुत बड़ी भ्रांति है। वनवास के दौरान बाहरी खतरों से 'माता सीता' की सुरक्षा के लिए शुरू में सुनियोजित रणनीति अपनाई गई थी। पिछले वनवास काल में एक ऐसा ही प्रकरण हुआ था जो दिखाता है कि 'माता सीता अपनी सहमति से अग्नि में प्रवेश किया था और बाहरी दुनिया को विश्वास दिलाने के लिए उनका केवल छाया भाग ही बचा था'। यहाँ तक कि लक्ष्मण को भी इस विचार से अनभिज्ञ रखा गया था। अंश इस प्रकार हैः- सुनो, मेरे प्रिय, जो मेरे प्रति निष्ठा के पवित्र व्रत में दृढ़ रहे हैं और आचरण में इतने सदाचारी हैंः मैं एक सुंदर मानव भूमिका निभाने जा रहा हूँ। जब तक मैं राक्षसों का विनाश पूरा नहीं कर लेता, तब तक अग्नि में रहो। भगवान राम ने जैसे ही उन्हें विस्तार से सब कुछ बताया, उन्होंने भगवान के चरणों की छवि अपने हृदय पर अंकित कर ली और अग्नि में प्रवेश कर गईं, और उनके साथ केवल अपनी छाया ही छोड़ गईं, हालांकि उनका स्वरूप और व्यवहार महाकाव्य में वर्णित समान ही था, जिसमें अन्य प्रमुख पात्र भी भूमिका निभाते हैं, जो भगवान राम को आदर्श व्यक्ति के रूप में प्रमाणित करता है, जैसे रावण-प्रतिपक्षी, लक्ष्मण-राम के भाई, माता सीता- राम की पत्नी, भरत-राम के भाई और हनुमान- शिष्य संकटमोचक और राम के मित्र। प्रेरणा का सबसे अच्छा उदाहरण वाल्मीकि कृत श्री रामचरितमानस-किष्किन्धा काण्ड में देखा जा सकता है। जब वानर सेना-भगवान राम और हनुमान के नेतृत्व में वानरों की टीम माता सीता को बचाने के लिए लंका पहुंचने के लिए हिंद महासागर के तट पर पहुंची, तो समुद्र को पार करना पड़ा-एक ऐसा कार्य जो लगभग असंभव था। इस बिंदु पर, यह प्रेरणा कारक था जिसने सबसे अधिक काम किया। श्लोकों के अनुसार, सभी टीम के सदस्यों ने हनुमान की प्रशंसा करना शुरू कर दिया ताकि उन्हें अपनी क्षमताओं और संभावनाओं के बारे में बताया जा सके जो पिछली शरारतों के कारण उन्हें भूल गई थीं। प्रशंसा ने हनुमान को बड़ा किया जिसने बाद में कार्य को पूरा करने में मदद की। जैसा कि निम्नलिखित अंश में बताया गया हैःतब भालुओं के राजा ने हनुमान की ओर रुख किया: हे पराक्रमी हनुमान, सुनोः तुम चुप कैसे हो? पवन-देवता के पुत्र, तुम अपने पिता के समान ही बलवान हो और बुद्धि,विवेक और आध्यात्मिक ज्ञान के भंडार हो। इस संसार में ऐसा कौन-सा कार्य है जिसे पूरा करना तुम्हारे लिए कठिन है, प्यारे बच्चे? भगवान राम की सेवा के लिए ही तुम पृथ्वी पर आए हो। हनुमान ने जैसे ही ये शब्द सुने, वे एक पर्वत के आकार के हो गए, उनका शरीर सोने की तरह चमक रहा था और वे वैभव से भरे हुए थे, मानो वे पर्वतों के दूसरे राजा (सुमेरु) हों।

सिंह की तरह बार-बार दहाड़ते हुए उन्होंने कहा,मैं आसानी से सागर को पार कर सकता हूँ और रावण को उसकी पूरी सेना सहित मारकर त्रिकूट पर्वत को उखाड़कर यहाँ ला सकता हूँ। उपर्युक्त अंश में प्रेरणा को हनुमान के शरीर और शक्ति के विस्तार के रूप में इस तरह दिखाया गया है कि समुद्र पर उड़ना जैसा असंभव कार्य भी संभव हो जाता है और हनुमान उड़कर लंका पहुँच जाते हैं।उपर्युक्त प्रकरण हालांकि प्रेरणा की सार्वभौमिक और मनोवैज्ञानिक अवधारणा को सुदृढ़ीकरण के माध्यम से स्थापित करता है, जो दर्शाता है कि प्रशंसा कैसे असंभव को संभव बनाने वाले सुदृढ़ीकरण कारक के रूप में काम करती है। जनता के बीच, 14 साल के वनवास से अयोध्या लौटने के बाद 'माता सीता' द्वारा दी गई 'अग्निपरीक्षा' के बारे में एक बड़ी गलत धारणा है। अरण्य कांड, दोहा 23 के अंश स्पष्ट रूप से बताते हैं कि अग्नि परीक्षा कोई परीक्षा नहीं थी, बल्कि यह वनवास के दौरान बाहरी खतरों से 'माता सीता' की रक्षा करने की एक सुनियोजित रणनीति थी। पूर्व वनवास काल में एक ऐसा ही प्रसंग हुआ था, जिसमें कहा गया है कि 'सहमति से माता सीता ने अग्नि में प्रवेश किया था और बाहरी दुनिया को विश्वास दिलाने के लिए उनका केवल छाया भाग ही बचा था'। यहां तक कि लक्ष्मण को भी इस विचार से अनभिज्ञ रखा गया था। अंश इस प्रकार हैःसुनो, मेरे प्रिय, तुम मेरे प्रति निष्ठा के पवित्र व्रत में दृढ़ रहे हो और आचरण में इतने सदाचारी होः मैं एक सुंदर मानव भूमिका निभाने जा रही हूं। जब तक मैं राक्षसों का विनाश पूरा नहीं कर लेता, तब तक अग्नि में रहूँगी। जैसे ही भगवान राम ने उन्हें सब कुछ विस्तार से बताया, उन्होंने अपने हृदय पर भगवान के चरणों की छवि अंकित की और अग्नि में प्रवेश कर गईं, उनके साथ केवल उनकी एक छाया रह गई, और अग्नि भी कुछ नहीं बिगाड़ पाई अतः रावण माता सीता के पतीव्रता धर्म और राम नाम के कारण रावण छू भी नहीं सका,सौम्य स्वभाव। लक्ष्मण भी यह रहस्य नहीं जानते थे कि भगवान ने पर्दे के पीछे क्या किया था। (रामचरितमानस, अरण्यकांड, दोहा- 23) भगवान राम की शानदार जीत और अयोध्या लौटने के बाद, दूसरी 'अग्निपरीक्षा' इस बार 'नारीत्व और सत्य की पवित्रता साबित करने के लिए एक परीक्षा' के रूप में देखा गया था। हालांकि इसे सार्वजनिक रूप से 'अग्नि-परीक्षा' कहा जाता है, जिसे जनता की मांग के प्रभाव से उत्पन्न भगवान राम की मांग के रूप में देखा जाता है, लेकिन वास्तव में, जनता को अरण्य कांड के दौरान पहले के प्रकरण के बारे में पता नहीं था जैसा कि ऊपर वर्णित है। जैसा कि लंका कांड में दोहा 107 और 108 में 'अग्निपरीक्षा' का वर्णन करते हुए कहा गया हैः सीता (यह याद किया जाएगा) पहले आग में रखी गई थी;भगवान राम (सभी के आंतरिक साक्षी) अब उसे वापस प्रकाश में लाने का प्रयास कर रहे थे। (रामचरितमानस, लंका कांड, चौपाई 107) सीता ने, हालांकि, भगवान की आज्ञा को नमन किया -जैसा कि वह विचार, वचन और कर्म से शुद्ध थी -और कहा,लक्ष्मण, इस पवित्र अनुष्ठान के प्रदर्शन में एक पुजारी के रूप में मेरी मदद करें और जल्दी से मेरे लिए अग्नि जलाएं। जब लक्ष्मण ने सीता के शब्दों को सुना, तो वे (अपने भगवान से) वियोग के कारण उत्पन्न पीड़ा से भरे हुए थे और आलोचनात्मक अंतर्दृष्टि, धर्मपरायणता और विवेक से ओतप्रोत थे,उनकी आंखों में आंसू आ गए और उन्होंने प्रार्थना में अपने हाथ जोड़ लिए; लेकिन वह भी भगवान से एक शब्द नहीं बोल सके। हालाँकि,श्री राम की मौन स्वीकृति को पढ़कर,लक्ष्मण दौड़े और आग जलाने के बाद बहुत सारी लकड़ियाँ ले आए। विदेह की पुत्री उस प्रज्वलित अग्नि को देखकर हृदय में आनन्दित हुई और तनिक भी विचलित नहीं हुई। यदि मैंने मन, वचन और कर्म से रघु के वंश के वीर के अतिरिक्त किसी अन्य पर कभी अपना हृदय नहीं लगाया है, तो यह अग्नि,जो सभी मनों की क्रियाओं को जानती है, मेरे लिए चन्दन के समान शीतल हो। (रामचरितमानस, लंका काण्ड, दोहा -108) भगवान पर ध्यान केन्द्रित करके, मिथिला की राजकुमारी ने ज्वालाओं में प्रवेश किया, मानो वे चन्दन के समान शीतल हों, और चिल्लाने लगी, कोशल के स्वामी की जय हो,जिनके चरणों की पूजा महान भगवान शिव शुद्धतम भक्ति से करते हैं! उनकी छाया-रूप और सामाजिक कलंक (रावण के यहां जबरन निवास करने के कारण) दोनों ही धधकती हुई अग्नि में भस्म हो गए, परंतु कोई भी भगवान के कार्यो का रहस्य नहीं जान सका। यहां तक कि देवता, सिद्ध और ऋषि भी हवा में देखते रह गए। अग्नि ने देहधारी रूप धारण किया और वेदों और संसार में समान रूप से प्रतिष्ठित वास्तविक श्री (सीता) को हाथ से पकड़कर भगवान राम के पास ले गई, जैसे क्षीरसागर ने देवी इंदिरा (लक्ष्मी) को भगवान विष्णु के पास प्रस्तुत किया था। श्री राम के बाईं ओर खड़ी होकर, वह अपने उत्तम सौंदर्य में एक ताजे नीले कमल के पास सोने की कुमुदिनी की कली की तरह चमक रही थी। (रामचरितमानस, लंका कांड, छंद-108) इससे पता चलता है कि अग्निपरीक्षा के दो कारण थे। व्यापक रूप से ज्ञात कारण पवित्रता की परीक्षा का सार्वजनिक दबाव था जो उस समय के प्रचलित सामाजिक वर्जनाओं को उजागर करता था जबकि दूसरा कारण माता सीता को उनके मूल रूप में वापस लाना था। यह अंश एक व्यक्ति में भूमिका संघर्ष के मनोविज्ञान और सबसे न्यायोचित रूप में इसके अनुप्रयोग को दर्शाता है। एक भूमिका में भगवान राम से एक जवाबदेह राजा होने की उम्मीद की जाती है जो जनता की मांगों का पालन करता है,जबकि दूसरी भूमिका एक जिम्मेदार और देखभाल करने वाले पति होने की है। यदि राजा के रूप में भूमिका की देखरेख की जाती है, तो समाज में एक बड़ा नुकसान होने के कारण एक प्रांत में कानून और व्यवस्था दांव पर लग सकती है और यदि पति के रूप में भूमिका की देखरेख की जाती है, तो प्रति व्यक्ति बड़ा नैतिक अन्याय होगा। अतः यही कारण था जब किसी प्रजा के कहने पर प्रभु श्री राम ने उसका भी परित्याग कर दिया यही भगवान श्री राम हैं जो युगों-युगों तक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के रूप में पूजे जायेंगे क्योंकि जब वह राम सेतु के बनाने क्रम में जहाँ जहाँ गैप था वहाँ अपनी बोझ से अधिक भार का कंकर बीच बीच में डाल रही थी तो कुछ वानर सेना हंस रहें थे तभी भगवान श्री राम ने गोद में लेकर उसकी आस्था को पहचानते हुए उसके कार्य के महत्व को समझाया उन्होंने उस छोटी सी गिलहरी को भी वरदान दिया और तीन रेखा खींच दि जो आज भी भारत में ही ऐसी गिलहरी में पाई जाती है अतः भगवान श्री राम का नाम सत्य है और कष्ट हरने वाला नाम है.1998 में जब रामलला टेंट में थे तो अयोध्या गया वहाँ पर बड़े छोटे सभी घरों से माया मोह को त्याग कर प्रभु राम की साधना में जुटे थे तो एक साधु से पूछा क्या मंदिर बनेगा उसने जबाब दिया ऐ कोई मामूली देव नहीं हैं सरवशक्तिमान मान ईश्वर हैं मंदिर अवश्य बनेगा क्योंकि मेरा राम अभी भी यहीं हैं और कुछ साल में बन जायेगा क्योंकि इसमें प्रतिष्ठा का सवाल है सैकड़ो कार सेवकों का बलिदान है अतः इन्हे कोई किसी भी अदालत में हरा नहीं सकता और देखिए राम मंदिर बन गया.

कविता
जब कोईअपना बिछड़ा याद आता है...

घटती-घटना
शामलाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

जब कोई अपना बिछड़ा याद आता है
जब कोई अपना बिछड़ा याद आता है
दिल की धड़कन तेज हो जाती है।
जब कोई अपना बिछड़ा याद आता है
खुशक आंखों में 'आंसू आ जाते हैं।
जब कोई अपना बिछड़ा याद आता है
रात रात भर करवटें बदलता रहता हूं।
जब कोई अपना बिछड़ा याद आता है
सुनहरी यादें उसकी ताजा हो जाती है।
जब कोई अपना बिछड़ा याद आता है
रात रात भर मैं तारों को गिनता रहता हूं।
जब कोई अपना बिछड़ा याद आता है
कुछ भी मैं खाना पीना भूल जाता हूं।
जब कोई अपना बिछड़ा याद आता है
सांस रुक जाता है ,घुटन महसूस होती है।
जब कोई अपना बिछड़ा याद आता है
जीवन जीना मुश्किल काम हो जाता है।
जब कोई अपना बिछड़ा याद आता है
उसके पास जाने को दिल कर जाता है।

कविता
माँ अम्बे दे दो,मुझको सहारा

घटती-घटना
अशोक पटेल
तुस्मा
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

हे माँ अम्बे दे दो,
तेरे चरणों में मुझको सहारा
मिल जाए मुझे बस तेरा,
पावन कृपा किनारा
तू दयामयी, तू ममतामयी,
दूर करो अंधियारा
छंट जाए दुख के बादल
सुख के हो उजियारा।
मैं हूँ अकिंचन,मै हूँ अभागा
मैं हूँ माँ बेसहारा
इस जग में मेरा कोई नही है
जीवन से मैं हारा
कृपा का एक वर दे दो
धन्य हो ये जीवन सारा
बस इतनी कृपा करदो,
जीवन हो जाए न्यारा।
मोह माया में फंसा है जीवन
कुविचारों ने घेरा
यहाँ-वहाँ मैं भटक रहा हूँ
फिरता मारा-मारा
शरण में ले लो चरण में ले लो,
मैं बेबस लाचारा
हाथ मेरे थाम ले मुझको
डूब जाऊं न मंजधारा।
ना मांगू मै हीरे मोती
ना मांगू मैं जीवन ज्योति
अंचल-अडिग और अहर्निश
करुं मैं तेरी भक्ति
तू जग-जननी,तू जन-कल्याणी
तू है माँ शक्ति
असुर विदारे भक्त उबारे
सबका उद्धार कर्ती।

क्लाइमेट चेंज की भयावह समस्या,मानव जीवन का अस्तित्व को खतरा

हाल में नई दिल्ली में पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया। दो दिन के इस सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने किया।गौरतलब है कि एनजीटी की स्थापना राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम, 2010 के तहत की गई है। यह विशेष न्यायिक निकाय है जिसका मुख्यालय दिल्ली में है। एनजीटी के अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश होते हैं। अन्य न्यायिक सदस्य उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त न्यायाधीश होते हैं। एनजीटी का कार्य पर्यावरण से जुड़े विवादों को प्रभावी तरीके से शीघ्र निपटाना है। इसलिए इस सम्मेलन की महत्ता स्वयंसिद्ध है। सम्मेलन में चार प्रमुख तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिनमें जलवायु परिवर्तन,प्रदूषण नियंत्रण,जैव-विविधता संरक्षण तथा सतत विकास सहित पर्यावरण के समक्ष चुनौतियों के समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन में भावी पीढ़ियों को स्वाच्छ पर्यावरण उपलब्ध कराने का नैतिक दायित्व माना गया। चूंकि सभी के सामूहिक प्रयासों से ही पर्यावरण का संरक्षण-संवर्धन संभव है, इसलिए नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया गया। क्लाइमेट चेंज की भयावह समस्या किसी एक राष्ट्र तक सीमित नहीं है, इसलिए सम्मेलन में वैश्विक पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने के लिए सीमा पार सहयोग और नवाचारी नीतियों की आवश्यकता को भी रेखांकित किया गया ताकि एक साथ पारिस्थितिक संसाधनों के संरक्षण और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाया जा सके। जहां तक भारत का संबंध है तो केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार भारत कम कार्बन वाली प्रौद्योगिकी में नवाचार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। मंत्रालय का मानना है कि विकासशील देशों के लिए त्वरित पर्यावरणीय आर्थिक विकास ही जलवायु परिवर्तन से ठोस बचाव है। भारत न केवल कार्बन फुटप्रिंट कम करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, बल्कि हरित

ऊर्जा क्षेत्र के माध्यम से लाखों नौकरियों का सृजन भी कर रहा है। सम्मेलन को हम क्लाइमेट चेंज की समस्या से निपटने में सहयोग को बढ़ावा देने, जागरूकता लाने तथा पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम कह सकते हैं। हम देख रहे हैं कि जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ रहा है,वैसे-वैसे न केवल ग्लेशियर पिघल रहे हैं, बल्कि जंगल की आग भी बड़े पैमाने पर तबाही मचा रही है। ग्लेशियरों के पिघलने से न केवल पर्यावरण,बल्कि मानव जीवन और अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। समुद्र स्तर में वृद्धि होने से तटीय क्षेत्रों और द्वीपीय देशों में बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए भारत में मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों को खतरा है। नदियों में पानी की मात्रा अचानक बढने से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा भी बढ़ जाता है। ग्लेशियरों से पिघल कर आने वाला पानी नदियों का मुख्य स्रेत होता है, खासकर गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के लिए। तीनों नदियां देश को 63 प्रतिशत के आसपास पानी देती हैं,जिसमें अकेले गंगा का हिस्सा लगभग 25 प्रतिशत है। इसलिए ग्लेशियर खत्म होने की स्थिति में इन नदियों में पानी की मात्रा घट जाएगी,जिससे भविष्य में भारत, पाकिस्तान,नेपाल और बांग्लादेश जैसे देशों में जल संकट गहरा सकता है। कई जीव-जंतु और पौधे ठंडी जलवायु में जीवित रहते हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से उनका आवास नष्ट हो जाता है,जिससे कई प्रजातियों के विलुप्त होने का भी खतरा है। ध्रुवीय भालू, हिम तेंदुआ और अन्य आर्कटिक जीव इसके प्रमुख उदाहरण हैं। नदियों में पानी की कमी होने से सिंचाई पर प्रभाव पड़ता है, जिससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है। क्लाइमेट चेंज की वजह से बर्फबारी में कमी आने से स्कीइंग और अन्य शीतकालीन खेलों का व्यवसाय प्रभावित होता है, और आजीविका पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। जंगल की आग की बढ़ती घटनाएं भी चिंतनीय हैं, जो शुष्क मौसम और बढ़ते तापमान के कारण जंगलों को आग का गोला बना रही हैं। दक्षिण कोरिया और कैलिफोर्निया में हाल की आग जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरों की गंभीर चेतावनी हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण लंबे समय तक सूखा,बढ़ते तापमान और बदले वर्षा पैटर्न जंगल की आग के लिए अनुकूल स्थितियां बना रहे हैं। आज प्राइमरी स्तर से ही पर्यावरण शिक्षा देना जरूरी है। नीति बनाने में प्रशासन और वैज्ञानिकों के साथ ही स्थानीय लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। पूरे हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरण और पारिस्थितिकी का नये सिरे से गहराई से अध्ययन किया जाना जरूरी है। लेकिन महत्वपूर्ण जलवायु परिवर्तन के मूल कारण-ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन-को पहले नियंत्रित करना होगा। कुछ विश्व नेता अभी भी जलवायु परितर्न की गंभीरता को नजरअंदाज कर रहे हैं। इस संकट के हल के प्रति पूरी तरह उदासीन दिखाई देते हैं। वे भूल जाते हैं कि क्लाइमेट चेंज की रफ्तार यदि ऐसी ही बनी रही तो मानव जीवन का अस्तित्व बचा नहीं रह सकेगा।

-गिरीश पांडे-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

CMYK

किशोरी की आत्महत्या के मामले में पूछताछ के लिए थाने बुलाए गए युवक ने घर पहुंचने के बाद की आत्महत्या

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

किशोरी की आत्महत्या के मामले में पूछताछ के लिए लखनपुर पुलिस 20 वर्षीय एक युवक को शनिवार थाना बुलाया था। युवक घर पहुंचने के बाद की शनिवार की सुबह पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस पर मृतक की मां ने मामला रफा-दफा करने के लिए लखनपुर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक पर 50 हजार रुपए रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। वहीं प्रधान आरक्षक ने युवक व उसकी मां द्वारा मामले को दबाने के लिए पैसे का ऑफर दिए जाने की बात कही है। दरअसल नवंबर 2024 में युवक के घर में 16 वर्षीय किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जबकि युवक ने कीटनाशक का सेवन कर लिया था। इसमें युवक की जान बच गई थी। इसी मामले में पुलिस द्वारा युवक व उसकी मां को पूछताछ के लिए थाने में बुलाया गया था।

सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ग्राम जुड़वानी के चुकनडांड़ सेमरपारा निवासी आशीष मिंज 20 वर्ष की शनिवार की सुबह आम के पेड़ पर फांसी पर लटकती लाश मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की प्रक्रिया पूरी की। इस मामले में मृतक आशीष की मां अलमा मिंज ने लखनपुर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक पर मामले

को रफा-दफा करने के लिए 50 हजार रुपए मांगने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि प्रधान आरक्षक ने कहा था कि यदि रुपए नहीं दोगे तो जेल भेज दूंगा। मामला मृत युवक की कोरबा निवासी 16 वर्षीय प्रेमिका संध्या मिंज द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने से जुड़ा है। नवंबर माह में मृतक आशीष मिंज के घर संध्या मिंज ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस दौरान आशीष ने भी कीटनाशक का सेवन कर लिया था। हालांकि इलाज के बाद उसकी जान बच गई थी। इधर लखनपुर पुलिस द्वारा उसे मामले में पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि आशीष व उसकी मां थाने में उपस्थित नहीं हो रहे थे,इस वजह से पुलिस द्वारा उन्हें नोटिस देकर पूछताछ के लिए शुक्रवार को बुलाया गया था। मृतक आशीष की मां का आरोप है कि वह अपने बेटे के साथ शुक्रवार की दोपहर 3 बजे थाना पहुंची थी। इस दौरान प्रधान आरक्षक द्वारा थाने के ऊपर के कमरे में उससे पूछताछ की जा रही थी। शाम 7 बजे जब आशीष लौटा तो उसके सामने रोने लगा। जब उसने पूछताछ की तो बताया कि प्रधान आरक्षक द्वारा उसपर 50 हजार रुपए देने का दबाव बनाया जा रहा है। नहीं देने पर जेल भेजने की बात कही जा रही है। मृतक की मां ने यह भी कहा कि आशीष ने उसे बताया कि 2 लडक़ों ने थाने में उसे थप्पड़ भी मारा था। इसके बाद दोनों घर आ गए। इसी बीच आशीष ने फांसी लगा ली। मां का कहना है कि प्रधान आरक्षक के दबाव में ही मेरे बेटे ने फांसी लगाई है।

आरोप बेबुनियाद

आरोप बेबुनियाद हैं। आशीष व उसकी मां को कई बार थाने में पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा था, लेकिन वे नहीं आ रहे थे। इस पर नोटिस देकर उन्हें बुलाया गया था। आशीष की मां ने ही मामले को दबाने के लिए रुपए का ऑफर दिया था। जबकि उसके द्वारा मां-बेटे को मामले में सहयोग करने की बात कही गई थी।

पन्नालाल,प्रधान अरक्षक

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कैंसर का इलाज बंद...मरीजों की बढ़ी मुश्किलें

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज सह जिला अस्पताल अंबिकापुर में चार दिन से कैंसर का इलाज बंद है। जिससे मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। अस्पताल में पदस्थ ओरल सर्जन की संविदा का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उनकी सेवाएं 31 मार्च को समाप्त कर दी गई हैं, जिससे यहां कैंसर उपचार प्रभावित हो गया है। इलाज के लिए अस्पताल आने वाले मरीजों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है, लेकिन उन्हें उचित चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही है। मरीज दूर-दराज से यहां इलाज के लिए आते हैं, लेकिन अब उन्हें रायपुर या बिलासपुर जैसे शहरों में जाना पड़ रहा है। इससे न केवल उनका समय बर्बाद हो रहा है,बल्कि आर्थिक बोझ भी बढ़ गया है।

अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीजों ने अपनी तकलीफ जाहिर करते हुए कहा कि पहले उन्हें यहां कैंसर का इलाज मिल जाता था,लेकिन 1 अप्रैल से अस्पताल में डॉक्टर नहीं है। जिससे उनके सामने बिलासपुर, रायपुर जाने की परेशानी खड़ी हो गई है। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि रायपुर या बिलासपुर जाने में न सिर्फ सफर की दिक्कत होती है, बल्कि वहां इलाज कराना भी महंगा है। मरीजों के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द अस्पताल में डॉक्टर की नियुक्ति की जाए, ताकि मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।

देवी धामों में माता रानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लगी रही कतार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

चैत्र नवरात्र की महाअष्टमी तिथि पर शनिवार को शक्तिपीठों के साथ-साथ घरों में लोगों ने विधि-विधान से नवदुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा अर्चना की। नगर के दुर्गा मंदिरों, देवी धामों में जगत जननी की पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु उमड़ पड़े। सरगुजा की अराध्य मां महामाया मंदिर अंबिकापुर में मंदिर का पट खुलने से पहले ही श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा था। मां महामाया की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु ललाइत रहे। मां की दर्शन के लिए लोगों ने कतार में खड़े होकर घंटों अपनी बारी का इंतजार करते रहे। महामाया मंदिर में श्रद्धालओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति व जिला प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की गई थी। तेज धूप में भक्त घंटों लाइन में खड़े रहे। वहीं मंदिर समिति द्वारा भक्तों के लिए मंदिर परिसर में टेंट लगाए गए थे। ताकि तेज धूप में राहत मिल सके। नवरात्रि के पहले दिन और अष्टमी का व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने घर व देवी मंदिरों पर हवन-पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। नौ दिन तक व्रत रखने वाले भक्त नवमी के हवन-पूजन की तैयारियों में लगे रहे। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी के दिन शनिवार को महामाया मंदिर, समलाया मंदिर, मां दुर्गा शक्तिपीठ गांधी चौक,संत हरकेवल मंदिर, काली मंदिर, रघुनाथपुर मंदिर, शीतला मंदिर सहित शहर के सभी देवी मंदिरों में माता की आराधना करने श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से ही मां के जयकारों के उद्घोष से मंदिर परिसर गूंजता रहा। घरों व मंदिरों में अष्टमी के हवन की सुगंध महकी तो नवमी की तैयारियां पूरी की गईं। देवी मंदिरों पर भक्तों की कतारें लगी रहीं।

कराया गया कन्या भोज

देवी भक्तों ने अपने घरों में अष्टमी के दिन कन्या भोज कराया। अष्टमी का व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने सौभाग्य, धन संपदा,सौंदर्य और स्त्री जनित गुणों की अधिष्ठात्री देवी महागौरी की आराधना की। अष्टमी पर्व पर भक्तों की भारी भीड़ रही। अष्टमी के दिन हवन-पूजन से वातावरण सुगंधित रहा। नौ दिन के महापर्व चैत्र नवरात्रि का रविवार को नवमी तिथि तक पूजा-अर्चना, हवन,आरती के साथ समापन हो जाएगा। नवमी तिथि पर भी जगह-जगह शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी और भंडारे का भी आयोजन होगा। उमडने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने भी व्यापक व्यवस्था की है।

एके-47 रायफल व कारतूस के साथ मां-बेटा समेत 3 गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

5 दिन पूर्व गांधीनगर स्थित आरक्षक के सूने मकान में घुसकर एके-47 रायफल व जेवरात चोरी करने वाले आरोपी सागर सिंह व प्रहलाद दोनों आदतन बदमाश हैं। दोनों ओपियों ने आरक्षक के घर वारदात को अंजाम देने के बाद 4 अप्रैल को नशीले इंजेक्शन बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे थे। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी शहर के कई चोरी की वारदात को अंजाम दे चुके हैं। चोरी की सामान खपाने में आरोपी सागर की मां शांति सिंह मदद करती थी। पुलिस ने इसे भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। शहर के गांधीनगर वार्ड क्रमांक 3 डेयरी फॉर्म मोड़ निवासी आरक्षक आशीष तिर्की बलरामपुर जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर का गनमैन है। 30 मार्च को वह सीईओ के साथ बलरामपुर से अंबिकापुर आया था। 1 अप्रैल को वह पत्नी के साथ अपने गृहग्राम बटईकेला गया था। इस दौरान उसने अपनी एके-47 रायफल व 90 जिंदा कारतूस घर में छोड़ रखा था। 2 अप्रैल की रात लौटा तो एके-47 रायफल व 90 कारतूस, कैश तथा सोने-चांदी के जेवर पार घर से गायब थे। रात में ही आरक्षक ने मामले की सूचना गांधीनगर थाने में दी थी। रायफल व कारतूस चोरी की बात से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था।

पुलिस ने जांच के बाद रायफल व कारतूस चोरी करने वाले 3 आरोपियों को गांधीनगर से ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सागर चौहान पिता अशोक चौहान 24 वर्ष, उसकी मां शांति चौहान व प्रहलाद चौबे पिता योगेंद्र चौबे 18 वर्ष शामिल हैं। सागर व प्रहलादशातिर चोर हैं,उन्होंने पूर्व में भी कई घरों में चोरियां की हैं। वहीं आरोपियों के कब्जे से नशीले सीरिंज भी बरामद हुए हैं। आरोपी सागर चौहान व प्रहलाद चौबे ने आरक्षक के घर से रायफल व कारतूस चोरी करने के बाद उसे जमीन में गाड़ दिया था। पुलिस ने सागर चौहान के घर के पास से गड्ढा खोदकर उन्हें बरामद किया। रायफल व कारतूस छिपाने में सागर की मां शांति ने भी मदद की थी। अन्य चोरी के मामले में भी सामान छिपाने व उन्हें बिक्री करने में भी शांति का हाथ रहता था।

पुरानी रंजिश पर टांगी से हमला कर चाचा ने भतीजी को उतारा मौत के घाट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम एरण्ड बहेराटोली में 4 अप्रैल की दोपहर में पुरानी रंजिश को लेकर चचा ने भतीजी को टांगी से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। वहीं बीच बचाव करने पहुंची मृतका की मां को भी जख्मी कर दिया है। मामले में सीतापुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार गीता नागवंशी शुक्रवार की दोपहर घर के पास नल जल योजना के तहत बने चेंबर नल के पास कपड़ा धो रही थी। उसी समय इसका चाचा चुन्नू राम उम्र 48 वर्ष टांगी लेकर आया और घरेलू विवाद पूर्व रंजिश को लेकर गीता नागवंशी के गर्दन पर हमला कर दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बीच बचाव करने पहुंची गीता की मां बुधियारो को भी जान से मारने के नियत से टांगी से हमला कर दिया। वह बालबाल बच गई।

बुधियारो ने घटना की जानकारी सीतापुर पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और आरोपी चुन्नू राम पिता सोमरा नागवंशी उम्र 48 वर्ष निवासी एरण्ड बहेराटोली थाना सीतापुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 194 व 103(1),109 (1) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

चरित्र शंका पर पति ने पत्नी व एक व्यक्ति की टांगी से हमला कर उतरा मौत के घाट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम केसरा में दोहरे हत्या का मामला सामने आया है। चरित्र शंका पर पति ने पत्नी व एक व्यक्ति की टांगी से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार कमलेश्वरपुर पुलिस टीम कों सूचना मिला कि ग्राम केसरा में मनोज मांझी अपनी पत्नी फूलकुंवर और लक्ष्मण माझी कों चरित्र शंका कर टांगी से प्राणघातक वार हत्या कर दिया है कि सूचना पर हमराह स्टाफ के साथ तस्दीक एव वैधानिक कार्यवाही हेतु तत्काल मौके पर रवाना होकर ग्राम कैसरा घटना स्थल पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया, जो मौक़े पर फूलकुंवर एवं लक्ष्मण मांझी का शव मृत हालात में केसरा बैजनाथ के पुराना घर जहां मनोज रहता था, घर के अन्दर में दोनों का शव अलग अलग कमरा में पड़ा था, कि दोनों का मौत हत्या करने से होना प्रतीत हो रहा था, कि घटना स्थल का निरीक्षण एवं शव का निरीक्षण गवाहों को पुछताछ एवं

मनोज मांझी द्वारा हत्या करना बताने पर प्रथम दृष्टिया हत्या का अपराध घटित होना पाये जाने पर प्रार्थी बिफन मांझी के रिपोर्ट पर बिना नम्बरी अपराध क्रमांक 0/25 धारा 103 (1) क्चह्लस् देहाती नालशी लेकर कर विधिवत कर्यावाही किया गया, मामले मे अग्रिम कार्यवाही करते हुए बिना नम्बरी देहाती नालशी थाना लाकर पेश किया जाने पर आरोपी के विरुद्ध थाना कमलेश्वरपुर मे अपराध क्रमांक 27/25 धारा 103(1) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा प्रकरण के आरोपी मनोज माझी को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम *मनोज माझी आत्मज राम प्रसाद माझी उम्र 40 वर्ष साकिन केसरा परसापारा थाना कमलेश्वरपुर* का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर बताया कि आरोपी दिनांक 04/04/25 के शाम के समय बिफन मांझी के साथ टांगी लेकर जंगल लकडी काटने गया था, लकडी काटकर घर वापस आये और आरोपी मनोज घर के अंदर जाकर देखा तो फुलकुंवर और लक्ष्मण मांझी एक साथ थे, दोनों को देखकर शंका होने पर आरोपी द्वारा अपने पास रखे टांगी से फुलकुंवर एवं लक्ष्मण माझी की गंभीर चोट कारित कर हत्या कारित कर देना बताया गया हैं, आरोपी के निशानदेही पर घटना मे प्रयुक्त टांगी जप्त किया गया हैं, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता हैं।

श्रीलंका ने पीएम मोदी को दिया मित्र विभूषण सम्मान, प्रधानमंत्री बोले...ये करोड़ों भारतीयों का सम्मान

कोलंबो,05 अप्रैल 2025। श्रीलंका की सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान से सम्मानित किया है। श्रीलंका की सरकार यह सम्मान उन देशों के राष्ट्राध्यक्षों को देती है, जिनके श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध होते हैं। भारत के ऐतिहासिक तौर पर श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। साथ ही जब श्रीलंका आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा था तो उस वक्त भी सबसे पहले भारत ने ही श्रीलंका के लिए मदद का हाथ बढ़ाया था। अब इन अच्छे संबंधों को ही मान्यता देते हुए श्रीलंका की सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान दिया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी को मित्र विभूषण सम्मान का मेडल पहनाकर सम्मानित किया। सम्मान पाने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि यह भारत के 140 करोड़ देशवासियों का सम्मान है।

श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान में एक चांदी का मेडल होता है, जिसमें बना धर्म चक्र बौद्ध विरासत का प्रतीक है। इस बौद्ध विरासत ने भारत और श्रीलंका की सांस्कृतिक परंपराओं को आकार दिया है। मेडल में बना पुन कलश (एक औपचारिक बर्तन) समृद्धि और नवीनीकरण का प्रतीक है। मेडल में बने नवरत्न दोनों देशों के बीच अमूल्य और स्थायी दोस्ती का प्रतिनिधित्व करते हैं। सूर्य और चंद्रमा प्राचीन अतीत से अनंत भविष्य तक फैले बंधन को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मानित होने के बाद कहा कि श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके द्वारा श्रीलंका मित्र विभूषण पुरस्कार से सम्मानित होना मेरे लिए नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए सम्मान की बात है। यह श्रीलंका और भारत के लोगों के बीच ऐतिहासिक संबंध और गहरी मित्रता को दर्शाता है और इसके लिए मैं राष्ट्रपति, श्रीलंका सरकार और यहां के लोगों को धन्यवाद देता हूं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच बहुत गहरी दोस्ती है। हम ऐसे पड़ोसी हैं जिनके बीच गहरे ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध हैं और ये संबंध लंबे समय से चले आ रहे हैं। हमारे संबंध साझा मूल्यों, आपसी सम्मान और समान हितों पर आधारित हैं।

पीएम मोदी ने उठाया मछुआरों का मुद्दा

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक और आत्मीयता भरे संबंध हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि 1960 में गुजरात के अरावली में मिले भगवान बुद्ध के अवशेष को श्रीलंका में दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। त्रिंकोमाली के थिरुकोनेश्वरम मंदिर के जीर्णोद्धार में भारत सहयोग देगा। हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हम सहमत हैं कि हमें इस मामले में एक मानवीय सहायता के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हमने मछुआरों को तुरंत रिहा किये जाने और उनकी नौकाओं को वापस भेजने पर भी बल दिया। भारत और श्रीलंका का संबंध आपसी विश्वास और सद्भावना पर आधारित है।

चुनौतीपूर्ण समय अवसर जैसा; ट्रंप की सख्ती के बीच नई संभावनाओं की तलाश में पाकिस्तान

इस्लामाबाद,05 अप्रैल 2025। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है। खासकर ट्रंप की ये नीति ज्यादा चर्चा का विषय तब बना गई जब आर्थिक तंगी से जुझ रहे पाकिस्तान पर उन्होंने 29 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया। हालांकि पाकिस्तान के वित्त मंत्री के द्वारा दी गई हालिया बयान में ये बातें सामने आई है कि पाकिस्तान अमेरिका के इस एलान से निपटने के लिए तैयारी में जुट गया है। बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान से आयात पर 29 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है, जिससे पाकिस्तान को नुकसान हो सकता है, क्योंकि अमेरिका पाकिस्तान का प्रमुख निर्यात गंतव्य है।

पाकिस्तान ने किया समितियों का गठन

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने टैरिफ के आर्थिक प्रभाव से बचने के लिए दो समितियों को गठन किया है, इनमें एक संचालन समिति होगी, जिसकी अध्यक्षता वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब करेंगे और इसमें मंत्री, प्रमुख व्यापारिक नेता, सचिव और शिक्षाविद शामिल होंगे। वहीं दूसरी समिति वाणिज्य सचिव के नेतृत्व में एक कार्य समूह होगा।

वित्तमंत्री औरंगजेब ने दी जानकारी

पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद ऑरंगजेब ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस मामले पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कभी भी एक अच्छे संकट को बर्बाद नहीं करना चाहिए। यह संकट पाकिस्तान के लिए चुनौतियों के साथ-साथ बातचीत और दीर्घकालिक संबंधों के अवसर भी लेकर आया है। उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य अमेरिकी प्रशासन के लिए एक सशक्त पैकेज तैयार करना है, जो प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मंजूरी के बाद अमेरिका भेजा जाएगा।

अमेरिका-पाकिस्तान के जुड़ाव पर जोर

वित्त मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका के साथ रचनात्मक तरीके से जुड़ा हुआ है। साथ ही उन्होंने आने वाले 9 अप्रैल तक इस मुद्दे पर बातचीत को मजबूती देने की उम्मीद कर रहे हैं। साथ ही आर्थिक स्थिरता की ओर इशारा करते हुए औरंगजेब ने कहा कि पाकिस्तान ने व्यापक आर्थिक स्थिरता प्राप्त कर ली है और अब देश को निर्यात और उत्पादकता आधारित विकास की ओर बढ़ना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तान ने ऑटो सेक्टर में हाल ही में कारों के निर्यात की शुरुआत की है।

दो बाइक के बीच आमने-सामने भयानक टक्कर, एक की मौत,3 गंभीर रूप से घायल

- संवाददाता -
जशपुर,05 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के जशपुर में शनिवार को दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। जहां दो बाइकों के बीच आमने-सामने की भिड़त हो गई। बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को बगीचा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया है। घटना बगीचा थाना क्षेत्र के पण्ड्रापाठ की है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक और उसका छोटा भाई दोनो बाइक से PDS के काम से बगीचा जा रहे थे। पंड्रापाठ के पास सामने आ रही बाइक से उनकी बाइक तेज रफ्तार में जा भिड़ी. दर्दनाक हादसे में खखरा निवासी युवक ने मौक पर ही दम तोड़ दिया। वहीं तीन घायलों का इलाज जारी है। घटना की सूचना के बाद बगीचा पुलिस मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

प्रेमी से इश्क लड़ाती थी भाभी,देवर को भनक लगते ही कुल्हाड़ी से युवक का काटा सिर

हड्डियों को चूर-चूरकर नदी में बहाया...

- संवाददाता -
जशपुर,05 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक देवर ने भाभी के प्रेमी की हत्या कर दी। करीब चार महीने की गहन जांच के बाद पुलिस ने मामले में सनसनीखेज खुलासा किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने कुल्हाड़ी से अनिरुद्ध दास का सिर काटकर धड़ से अलग कर दिया। फिलहाल पुलिस ने हत्याकांड में शामिल सभी 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

यह पूरा मामला मामला थाना कांसाबेल का है। पुलिस के मुताबिक, यह हत्या अवैध संबंधों की वजह से की गई थी। शव को ठिकाने लगाने के लिए आरोपियों ने बहुत ही शातिर और क्रूर तरीके अपनाए। आरोपी ने वारदात के बाद शव को जला दिया। इतना ही नहीं उसने पकड़े जाने के डर से हड्डियों को चूर-चूर कर नदी में बहा दिया था। 4 महीने बाद जंगल से मिली हड्डियों के टुकड़ों से इस हत्याकांड का खुलासा हुआ है।

इस सनसनीखेज और नृशंस हत्याकांड का खुलासा करते हुए जशपुर के एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि मृतक का नाम अनिरुद्ध दास उम्र 40 साल थी। अनिरुद्ध सरगुजा जिले के लिचिरमा गांव का रहने वाला था। पिछले साल 20 नवंबर 2024 को अपने घर से रघुनाथपुर कहकर निकला था, लेकिन कभी वापस नहीं लौटा। परिजनों ने गुमसुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई लेकिन चार महीने तक उसका कोई सुराग नहीं मिला, लेकिन जशपुर पुलिस ने हार नहीं मानी।

पुलिस टीम को जांच के दौरान जानकारी मिली कि गुम व्यक्ति अनिरुद्ध दास का श्याम पैंकरा के परिवार की एक महिला से प्रेम संबंध चल रहा था जो कभी-कभी उससे मिलने उसके घर आता-जाता था। इस कारण श्याम पैंकरा अनिरुद्ध दास से रंजिश रखता था तथा मौका देखकर ठिकाने लगाने की योजना बनाया था। इसी बीच 20 नवंबर 2024 को मृतक शाम करीब 08:00 बजे मुंडाटोली कांसाबेल महिला के घर के पास आया तब श्याम पैंकरा प्रदीप उर्फ पीलु, कुन्दन पैंकरा तीनों उसे देखकर पप चोर है, कहकर पकड़े और रोड से अलग ले जाकर हाथ-मुक्का तथा पत्थर से बेदम पिटाई की।

आरोपियों ने कुल्हाड़ी से काटा सिर

मारपीट के दौरान अनिरूद्ध दास बेहोश हो गया। जिसके बाद आरोपियों ने उसे जमीन में जोर से पटक दिया फिर साईज पत्थर से सिर को पहले कुचल दिया और टांगी से गला काटकर सिर धड़ से अलग कर दिया गया। जिसके बाद लाश को ठिकाने लगाने के लिए तिरपाल और रस्सी ले आया। इसके बाद लाश को तिरपाल में लपेटकर स्कॉर्पियो में रखकर कोतबा के अंबा कछार के घने जंगल में दफना दिया। वहीं, अंबा कछार से दो ढाई किलोमीटर दूर जाकर सिर को जमीन में दफना दिया। फिर वहां से घर लौट आया।

हड्डियों को चूर-चूरकर नदी में बहाया

वारदात को अंजाम देने के कुछ दिन बाद श्याम पैंकरा ने धड़ को जलाए हुए स्थान पर जाकर देखा तो वहां मृतक के चप्पल और हड्डियों के अवशेष नजर आ रहे थे जिसे वह बोरे में भरकर अपने घर ले आया और अपने घर की बाड़ी में जलाने का प्रयास किया। हड्डियों के नहीं जलने पर उसे नाले में ले जाकर बहा दिया और फिर सिर को भी गड्ढे से निकालकर जलाने की कोशिश की लेकिन हड्डियों के नहीं जलने पर उसे बेलाघाट के जंगल में ले जाकर पहाड़ी से फेंक दिया।

हड्डियों को चूर करने में पिता ने की मदद

जांच के दौरान पुलिस ने गांव के लोगों से पूछताछ की। लोगों ने पुलिस को मारपीट के बारे में बताया। शक के आधार पर पुलिस ने आरोपियों से बारी-बारी से पूछताछ की गई, लेकिन सभी पुलिस को गुमराह करते रहे। लेकिन गांव वालों से पूछताछ में जब उन्होंने घटना वाले दिन श्याम और अन्य आरोपियों की मौजूदगी की बात कही। इसी बीच पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो आरोपियों ने जुर्म को कबूल कर लिया। इस हत्याकांड में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि जब हड्डियां पूरी तरह जल नहीं पाई, तो शयाम उसे घर ले आया। घर में श्याम जब सिर की हड्डियों को चूर कर रहा था, तभी उसके पिता दिलबंधु साय पैंकरा (70) ने उसे देख लिया। इस पर उसके पिता ने सिर हड्डियों के चूर को बेला घाट के खंडहर में छिपाने में श्याम की मदद की।

ये आरोपी गिरफ्तार

आरोपीगण मृतक अनिरूद्ध दास को महिला से अवैध संबंध के रंजिश के कारण मारपीट की नृशंस हत्या कर साक्ष्य छिपाने, शव को जला कर नष्ट किए जाने के अपराध के सबूत पाए जाने से श्याम पैंकरा पिता दिलबंधु साय पैंकरा उम्र 30 वर्ष, प्रदीप उर्फ पीलु उम्र 32 वर्ष,कुन्दन पैंकरा उम्र 34 वर्ष,गोलू राज पैंकरा उम्र 24 वर्ष,दिलबंधु साय उम्र 70 वर्ष सभी निवासी कांसाबेल मुडाटोली थाना कांसाबेल जिला जशपुर को गिरतार किया गया है।

देवी जस गीत से दुर्गा मंदिर भक्तिमय हुआ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

विगत 25 वर्षों से वसुधा महिला मंच प्रतिवर्ष चैत्र नवरात्रि पंचमी के दिन दुर्गा मंदिर,गांधी चौक में देवी जस गीत का आयोजन करती है। इस वर्ष साई मन्दिर गांधी नगर,दुर्गा शक्ति मंच,मां महामाया सेवा समिति दरी पारा,केना बांध शिव मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर नवापारा,शिव शक्ति भजन मंडली नमना कला, एव वसुदा सदस्यो के द्वारा देवी जसगीत प्रस्तुत किया गया। वसुधा द्वारा हर वर्ष प्रेरणादायक व्यक्तित्व को सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष अंजू सरकार, सँघर्ष शील बहन को समानित किया गया। वसुधा के वर्ष भर के प्रतियोगिता का पुरस्कार आंगन सजाओ एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का पुरस्कार डाक्टर पुष्पा सोनी,सन्तोस पांडे जया तिवारी द्वारा दिया गया। शारदीय नवरात्रि के पंचमी के दिन आयोजित सामान्य ज्ञान में,प्रथम हिना परवीन, राजलक्ष्मी पांडे, रिया तिवारी समानित हुई। द्वितीय पुरस्कार,च्यती अग्रवाल, अनुभा डबराल, मधुमती सिह,गौरी शर्मा, स्वेता सिह राणा, रूमा भटाचार्य, वर्णिता जायसवल को दिया गया। तृतीय पुरस्कार वंदना सिंह तोमर रेणु कुमार, सुनीता व्यास को मिला।

आंगन सजाओ में सर्वश्रेष्ठ रंगोली नवविस्व भवन चोपड़ा पारा ब्रम्हकुमारी बहनों को,तथा प्रथम सेवा भारती की बालिकाओं को और रेणु श्रीवास्तव को दिया गया। डाक्टर आरती परिहार एव बानी मुखर्जी ने भी पुरस्कार प्राप्त किया। अम्बिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल जी भी उपस्थित हुए एवं भारी संख्या में उपस्थित बहनो को नवरात्रि एव नववर्ष की शुभकामनाये देते हुवे कहा कि महिला भजन मंडलियों को प्रोत्साहित करने का यह प्रयास वसुधा का सराहनीय है। कार्यक्रम का सफल संचालन सयोजिका वन्दना दत्ता ने किया। दुर्गा मंदिर में कन्या भोज भी वसुधा द्वारा करवाया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सदस्य,रेखा इंगोले,सरिता भाटिया,लीला बंसल, जानकी सिह,सरिता सिह, लिली बसु, रश्मि गुप्ता,गीता मलिक, नमिता चावला, तनुश्री मिश्रा ,ज्योति दवेदी, सुधा शर्मा,मिलन शर्मा,नीलू गुप्ता,स्मिता तिवारी, का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम में उपस्थित भक्त जनों को शर्बत एवं लडु प्रसाद वितरण किया गया। 4 घण्टे तक चले देवी जसगीत में बहनो ने झूम कर नृत्य भी किया,पूरा मन्दिर परिसर माता की जयकारा से भक्तिमय हो गया था।

जल संरक्षण नहीं किया तो आने वाली पीढ़ियां पम्प से खरीद कर पियेंगी पानी:नीरज वानखेड़े

घोलेंग सरपंच ने लोगों को प्रेरित करने घर में लगवाया वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

जशपुरनगर 05 अप्रैल 2025(घटती-घटना)। जिले में जल एवं भूमि संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को घोलेंग ग्राम पंचायत में जल जागृति शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व को उजागर करते हुए उनके संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व को बताया गया। जल स्त्रोतों के साथ साथ पानी के स्त्रोतों के रिचार्ज करने वाली नालों, जल वितरिकाओं, तालाबों, झिरिया,नालिकाओं को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा वाटर हीरो के रूप में सम्मानित जल प्रहरी नीरज वानखेड़े द्वारा चेन्नई का उदाहरण देते हुए बताया कि समुद्र के निकट होने के बाद भी वहां भीषण जल संकट उत्पन्न हुआ और लोग टैंकरों से पानी भर कर पीने को मजबूर हो गए थे। लोग अपने लाभ के लिए जंगलों में आग लगाते हैं जो पेड़ों और छोटे पौधों को नुकसान कर जल चक्र को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने खेल खेल में विभिन्न नवाचारी एवं मनोरंजक तरीकों से भूमि एवं जल संचयन के तरीकों से ग्रामीणों को अवगत कराया। उन्होंने लाइव मॉडल के माध्यम से जल संरक्षण की आवश्यकता को प्रदर्शित किया। उन्होंने सोखता गड्ढा, बोर रिचार्ज, वाटर हार्वेस्टिंग, डिप सीसीटी, गेबियन स्ट्रक्चर, एलबीएस, ड्रिप सिंचाई, मेढ़ बंधान आदि निर्माण की वैज्ञानिक विधि और जल उपयोग के तरीकों की भी ग्रामीणों को जानकार दी।इस दौरान घोलेंग के सरपंच विनय तिर्की ने अपने घर में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण कर लोगों को इसके लिए प्रेरित किया। इसका प्रदर्शन ग्राम वासियों को करते हुए उन्हें इसके निर्माण के तरीकों की जानकारी दी गयी। इस अवसर पर नीरज वानखेड़े ने कहा कि हमने पूरे जल का उपभोग किया और संरक्षण पर विचार नहीं किया तो आने वाली पीढ़ियों के लिए जल उपलब्ध नहीं रहेगा और वे हमसे सवाल करेंगी और उन्हें आज जिस प्रकार पेट्रोल पंपों से पेट्रोल बिका करते हैं उसी प्रकार लाइनों में लग कर पानी खरीदना पड़ेगा। हम सभी को अपने आने वाली पीढ़ियों के लिए जल का संरक्षण एवं सोच समझ कर प्रयोग करना चाहिए।

इस कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष गंगाराम भगत, जनपद सदस्य आमा तिर्की, संजय लकड़ा, सरपंच विनय तिर्की, प्रतिमा बड़ा, अनिमा एक्का, अशोक एक्का, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रदीप राठिया, कृषि विभाग उप संचालक एमआर भगत, ईई डब्लूआरडी विनोद भगत, सीईओ जनपद पंचायत लोकहित भगत सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे एवं ग्रामीण कार्यक्रम में शामिल होंगे।

उल्लेखनीय है कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा चलाये जा रहे जल शक्ति अभियान के कैच द रैन पहल के अंतर्गत जल जागृति जशपुर अभियान प्रारम्भ किया गया है। जल जागृति जशपुर अभियान के तहत एक माह तक 30 जल संकट के संभावित ग्रामों में जाकर सभी स्कूल, कॉलेजों एवं ग्रामीण संस्थाओं में जागरूकता हेतु जल जागृति शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें गांव-गांव में जाकर जल एवं भूमि संरक्षण तथा संवर्धन के प्रति जागरूकता लाने के साथ साथ नदी, नालों, जल वितरिकाओं, जल संभरण करने वाली अवनालिकाओं एवं जल स्त्रोतों के आस पास जन सहयोग से श्रमदान द्वारा सफाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में स्व सहायता समूह की महिलाएं बन रही स्वावलंबी

कुनकुरी में सी मार्ट का हुआ शुभारंभ

जशपुरनगर 05 अप्रैल 2025(घटती-घटना)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार में स्व सहायता समूह की महिलाएं बन रही है आर्थिक रूप सक्षम इसी कड़ी में विकासखंड कुनकुरी में शुक्रवार को सी मार्ट का शुभारंभ जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुशीला साय जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री बालेश्वर यादव जी के द्वारा किया गया, जिसमे अन्य जनपद सदस्य,पार्षद,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुनकुरी श्री प्रमोद सिंह और कुनकुरी एन आर एल एम के डी पी एम श्री अमीन खान,श्री भरत पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि सी-मार्ट राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन संपोषित श्री मधेश्वर कृषक उत्पादक संगठन कुनकुरी द्वारा संचालित किया जा रहा है जिसमे बिहान के दीदियों द्वारा बनाई गई विभिन्न प्रकार के सामग्री जैसे पापड़,अचार,कोदो कुटकी,रागी कुकीज,महुआ अचार, सरसो तेल, छिंद टोकरी, बड़ी, महुआ बिस्किट, महुआ कैंडी जैसे उत्पादों का विक्रय किया जा रहा है। और समूह की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है।

क्या जंगलों की सुरक्षा की जवाबदेही तय होगी या हर साल इसी तरह सरकारी योजनाएं जलती रहेंगी?

मनेन्द्रगढ़ वन मंडल में जली वन संपदा की जांच में उतरा सीसीएफ का उड़नदस्ता,कक्ष 1232 और 1268 में हुई बड़ी लापरवाही उजागर:सूत्र

कूप कटिंग के बाद तैयार लकड़ी चट्टे हुए राख,मनेन्द्रगढ़ वन मंडल में वन विभाग की लापरवाही से जली करोड़ों की संपदा

-रवि सिंह-
मनेन्द्रगढ़,05 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़ वन मंडल में बीते 20 दिनों से जारी जंगल की आग और वन विभाग की लापरवाही को लेकर दैनिक घटती-घटना खबर का बड़ा असर हुआ है। शनिवार को मुख्य वन संरक्षक स्तर का उड़नदस्ता कुँवारपुर परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 1232 पहुंचा और मौके पर जाकर जले हुए कूपों की गहन जांच शुरू कर दी है।

उल्लेखनीय है कि जनवरी-फरवरी माह में कूप कटिंग के तहत बड़ी संख्या में नाप-जोखकर लकड़ी के चट्टे बनाए गए थे,जो विभागीय लापरवाही के चलते पूरी तरह राख हो गए। रिपोर्ट सामने आने के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया है और अब जांच टीम उस स्थान पर पहुंच चुकी है, जिसकी तस्वीरें और जानकारी टाइट न्यूज़ ने सबसे पहले उजागर की थी। इधर, जांच के दौरान एक और बड़ी लापरवाही सामने आई है। जानकारी के अनुसार, कुँवारपुर परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 1268 में वर्ष 2023 में कैम्पा योजना के तहत पौधरोपण किया गया था। वर्ष 2024 में केजुअल्टी रिप्लांटेशन के तहत नए पौधे लगाए गए थे,लेकिन 2025 में लगी आग से पूरा प्लांटेशन जलकर खाक हो गया। यह घटना विभाग की उस घोर अनदेखी को उजागर करती है, जहां करोड़ों की योजनाएं सिर्फ कागजों पर चलती हैं और फील्ड में कोई निगरानी नहीं होती। वन मंडल में जारी आगजनी और विभागीय निष्क्रियता को लेकर अब सवाल और तीखे हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि समय रहते अलर्टनेस दिखाई जाती, तो न तो करोड़ों की लकड़ी जलती और न ही बहुमूल्य पौधरोपण राख में तब्दील होता। अब जब सीसीएफ का दल जांच में जुट चुका है, तो स्थानीय लोगों और पर्यावरण प्रेमियों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या दोषियों पर कार्रवाई होगी या यह जांच भी अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में चली जाएगी। हम इस संवेदनशील मुद्दे पर लगातार नजर बनाए हुए है और जिम्मेदारों से यह सवाल दोहराता है, क्या जंगलों की सुरक्षा की जवाबदेही तय होगी या हर साल इसी तरह सरकारी योजनाएं जलती रहेंगी?

दुकान मे आग लगने से मची अफरा-तफरी

-संवाददाता-
कोरबा,05 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

कोरबा जिले के दर्री थाना क्षेत्र अंतर्गत कोरबा-बिलासपुर मुख्य मार्ग पर अलसुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई,जब अनिल इलेक्ट्रिकल के पास बालाजी गैस नामक इंडस्ट्रियल पार्ट्स व ऑक्सीजन गैस सिलेंडर बिक्री करने वाली संस्थान में अचानक भीषण आग लग गई। यह घटना सुबह लगभग 5:00 बजे की बताई जा रही है, जब स्थानीय लोगों ने संस्थान से घना धुआं उठते देखा।

स्थानीय लोगों ने तत्काल डायल 112 को इसकी सूचना दी, जिसके बाद डायल 112 की टीम चालक प्रकाश बिसेन, आरक्षक नरेश यादव तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और दर्री थाना व दमकल विभाग को जानकारी दी गई। आग की भीषणता को देखते हुए दमकल विभाग,सीएसईबी और एनटीपीसी से कुल तीन दमकल वाहन घटना स्थल पर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयास शुरू किया गया। बताया जा रहा है कि दुकान में इंडस्ट्रियल पार्ट्स सहित अन्य कई सामग्री रखी हुई थी, जिससे आग ने विकराल रूप धारण कर लिया,जिसे दमकल कर्मियों ने सतर्कता के साथ आग पर काबू पाने मे सफल हुए। वहीँ आग लगने के सटीक कारणों की जांच शुरु की गई जिसके उपरांत ही स्पष्ट हो पायेगा के आग शॉर्ट सर्किट से लगी या किसी अन्य वजह से।

यातायात पुलिस ने मार्ग पर खड़ी कंडम वाहनों पर की कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,05 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

कोरबा शहर के ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में स्थित स्टेडियम से सीएसईबी चौराहा जाने वाले मार्ग पर अवैध रूप से खड़े कबाड़ वाहनों के कारण लगातार यातायात बाधित हो रहा था। इन वाहनों के कारण न केवल सडक पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी,बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया था। जिसे गंभीरता से लेते हुए यातायात पुलिस विभाग ने एक विशेष अभियान चलाकर इन वाहनों को हटाने कार्यवाही की। उक्त अभियान का नेतृत्व यातायात पुलिस के सहायक उप निरीक्षक मनोज राठौर ने कि। उनकी टीम ने क्षेत्र में लंबे समय से खड़े पुराने

वाहनों को हटवाने का कार्य किया, जिससे यातायात बधित न हो। कार्यवाही के दौरान पुलिस ने पाया की कुछ वाहन वर्षों से यहाँ खड़े थे और धीरे-धीरे कबाड़ में तब्दील हो चुके है। यह पहली बार नहीं है जब इस क्षेत्र में इस तरह की कार्यवाही की गई है, पर कुछ समय बाद फिर से लोग अपनी गाडिया यहाँ खड़ी करने लगते हैं। यातायात पुलिस ने इस कार्यवाही के दौरान स्थानीय व्यापारियों और वाहन मालिकों को सख्त चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इस सडक पर अवैध रूप से वाहन खड़े किए गए तो और भी कठोर कदम उठाए जाएंगे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह सडक आम जनता के आवागमन के लिए है, न कि किसी के निजी पार्किंग यार्ड के रूप में अतिक्रमण कर उपयोग करने के लिए है। पुलिस अधिकारियों ने कहा हैं की यदि कोई व्यक्ति अपनी गाड़ी इस सडक पर बेवजह खड़ी करते है, तो उस पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर दोबारा यहां वाहन खड़े किए जाते हैं, तो उन्हें जब्त कर लिया जाएगा और वाहन मालिकों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस कार्यवाही पर स्थानीय नागरिकों ने यातायात पुलिस विभाग की इस पहल का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि इस अभियान से सडक पर यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और जाम की समस्या से राहत मिलेगी।

अंतर्राज्जीय डीजल चोर गिरोह के 3 आरोपियों को सूरजपुर पुलिस ने केतका जंगल में घेराबंदी कर पकड़ा

ट्रक के हेल्फर पर प्राणघातक हमला कर डीजल लूटकर ईको कार से हो गए थे फरार

-संवाददाता-
सूरजपुर,05 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

विगत गुरूवार को ग्राम धंधापुर थाना राजपुर निवासी अभिषेक पोर्ते ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि ट्रक क्रमांक सीजी 15 डीके 9007 में हेल्फर का काम करता है, दिनांक 02/04/2025 को बैकुण्ठपुर से ट्रक में सीमेंट फैसिंग पोल लोड करके चालक एवं अन्य हेल्फर के साथ पोल पहुंचाने अम्बिकापुर जा रहे थे कि शाम 4.00 बजे बाई पास एचएच-43 मेन रोड सूरजपुर के पास अचानक वाहन का ब्रेक डाउन होने पर वहीं वाहन खड़ा कर खाना बनाकर रात में खाकर सभी सो गए,रात्रि में ड्राईवर उठाकर बोला कि कोई डीजल टंकी का ताला तोड़ रहा है जाकर देखने पर 2 व्यक्ति डीजल टंकी से डीजल निकाल कर जरकिन में भरकर ले जा रहे थे जिन्हें रोकने पर जान से मारने की धमकी देते हुए प्रार्थी को रॉड से सिर में प्राणघातक हमला किए, डाईवर व

हेल्फर के आने पर दोनों व्यक्ति डीजल भरे जरकिन को लेकर ईको वाहन क्रमांक एमपी 18 जेडई 1256 में अपने एक अन्य साथी के साथ मनेन्द्रगढ़ रोड़ की ओर भाग निकले। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 169/2025 धारा 109, 309(6), 351(3) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपियों की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। थाना सूरजपुर पुलिस ने टीम बनाकर आरोपियों की सघन पतासाजी में लगी रही इसी बीच मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि केतका जंगल में एक ईको वाहन में कुछ संदिग्ध लोग दिखे है। सूचना पर पुलिस की टीम ने केतका जंगल में दबिश देकर घेराबंदी कर ईको वाहन के साथ आरोपी (1) मनोज तिवारी पिता रूद्र प्रसाद तिवारी उम्र 50 वर्ष निवासी मोहर्री वार्ड क्र. 01 बिजुरी थाना बिजुरी जिला अनुपपुर मध्यप्रदेश (2) अजय तिवारी पिता श्यामलाल तिवारी उम्र 45 वर्ष निवासी भगता वार्ड क्र. 15 थाना बिजुरी जिला अनुपपुर (3) रितेश तिवारी पिता बद्री तिवारी उम्र 27 वर्ष निवासी माईनस कालोनी बिजुरी थाना बिजुरी जिला अनुपपुर मध्यप्रदेश को पकड़ा गया। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में आरोपियों की पहचान कार्यवाही कराई गई।

पूछताछ पर आरोपियों ने वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों के निशानदेही पर परिवहन में प्रयुक्त ईको कार, 1 जरकिन में 35 लीटर डीजल, 5 खाली जरकिन,लोहे का रॉड, एक गुलेल, गुलेल की गोटी जप्त कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो,सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, एएसआई संजय सिंह यादव, प्रधान आरक्षक सुरेन्द्र सिंह, आरक्षक रविराज पाण्डेय, जयप्रकाश सिंह,सेलबेस्टर लकड़ा,रविशंकर पाण्डेय, गणेश सिंह व रामचन्द्र सक्रिय रहे।

पतरापाली में कुत्तों के हमले से चीतल की मौत,वन विभाग ने किया अंतिम संस्कार

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,05 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के पतरापाली गांव में आज सुबह एक चीतल की कुत्तों के हमले में मौत हो गई। घटना सुबह करीब 9:30 बजे की बताई जा रही है,जब एक चीतल गांव के रहवासी क्षेत्र में भटकता हुआ पहुंच गया। ग्रामीणों के अनुसार, जैसे ही चीतल आबादी वाले इलाके में आया, वहां मौजूद कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। हमले में चीतल गंभीर रूप से घायल हो गया और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मृत चीतल के शव को कब्जे में लिया। पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा पोस्टमार्टम किया गया, जिसके बाद चीतल का विधिवत अंतिम संस्कार किया गया। गौरतलब है कि जंगल से सटे इन इलाकों में वन्य जीवों का गांवों में भटक आना अब आम बात हो गई है। इससे इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वन्य जीव दिखाई देने पर तुरंत सूचना दें और स्वयं उन्हें छेड़ने से बचें।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202212020700139 /ब-121/2022-23

एतद् द्वारा ललन तिवारी आ0 जगदीश तिवारी निवासी शिवधारी कॉलोनी फुन्दुरडिहारी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 को सूचित किया जाता है कि आवेदक सच्ची सिंह पत्नि राजदेव सिंह निवासी शिवधारी कॉलोनी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 430/141 रकबा 0.024 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में नक्शा दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदन पत्र श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त आवेदन के आधार पर इस न्यायालय में राजस्व प्रकरण क्रमांक 202212020700139/ब-121/2022-23 दर्ज किया है, जो विचाराधीन है।आवेदक पक्ष को आपकी सही पता ज्ञात नही होने के कारण नोसि तामिली नही हो पा रहा है। आपको समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त संबंध में आपको कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/04/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202504020700029

विषय:-अ-27 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्:-2024-25

सरईटिकरा प.ह.नं.00025 (हे0)
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार-मंगलसाय,बोधन, देवकुमार चम्पीबाई, मु.मोहरमनिया, अमरीला पुत्री किशुनराम मु.फुलबसिया, वेवा किसुनराम,रतन राम,नन्दलराम, गुडडू मलिक,शांति बाई,मुन्नी बाई कवलबांसिया,मोहित राम,मोहन राम
आवेदक पक्षकार-मंगलसाय,बोधन, देवकुमार चम्पीबाई,मु.मोहरमनिया, अमरीला पुत्री किशुनराम मु.फुलबसिया, वेवा किसुनराम,रतन राम,नन्दलराम, गुडडू मलिक,शांति बाई,मुन्नी बाई कवलबांसिया,मोहित राम,मोहन राम

ईश्तहार

आवेदक मंगल साय पिता स्व0 काशीराम व अन्य, निवासी ग्राम सरईटिकरा तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सरईटिकरा स्थित कुल खसरा नंबर 12 कुल रकबा 2.683 हे0 भूमि को आवेदकगण के मध्य में 1/3 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05/05/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/04/2025 को जारी किया जाता हैं।

(सील) तहसीलदार तहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202504020700019

विषय:-ब-121 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्:-2024-25

फुन्दुरडिहारी प.ह.नं.00016 (हे0)
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार-सोनू अग्रवाल,
, अनावेदक पक्षकार-छ0ग0शासन

ईश्तहार

आवेदिका सोनू अग्रवाल पत्नी पुनम अग्रवाल निवासी बाजार पारा सलका तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छह0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 460/2 रकबा 0.080 हे0 भूमि के ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/04/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/04/2025 को जारी किया जाता हैं।

(सील) तहसीलदार तहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202502020700040

विषय:-ब-6 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्:-2024-25

सुभाषनगर प.ह.नं.00017
(53/1(0.3700 (हे0)
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार-कविता मलिक,
,अनावेदक पक्षकार-विचित्र मलिक,
प्रभा मंडल,सुचित्र मलिक,पवित्र मलिक

ईश्तहार

आवेदक कविता मलिक पत्नी पवित्रा उर्फपवित्रो मलिक निवासी सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 53/1 रकबा 0.370 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखा में वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/04/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/02/2025 को जारी किया जाता हैं।

(सील) तहसीलदार तहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शैलेन्द्र कुमार वर्मा, सरयू प्रसाद वर्मा जाति कायस्थ, निवासी ग्राम/नगर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम घघरी, तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 78/29 रकबा 0.054 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा ,रजिस्ट्री की प्रति,आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया हैं,जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 16/04/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती प्रियंका तिवारी पति सुभाष प्रसाद तिवारी जाति ब्राम्हण, निवासी ग्राम/नगरगढ़, जिला रीवा मध्यप्रदेश के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम घंघरी तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 78/79 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा ,रजिस्ट्री की प्रति,आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया हैं,जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 16/04/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202504020700009

विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्:-2024-25

अम्बिकापुर प.ह.नं.00015 (हे0)
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार-जाहिदा खातून ,
,अनावेदक पक्षकार-मो0 मुश्ताक,

ईश्तहार

आवेदक जाहिदा खातून पत्नी मो0 मुस्ताक निवासी महामाया रोड मोमिनपुरा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2545/25,2546/7 रकबा 0.008, 0.016 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से स्व0 मो0 मुस्ताक का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 28/04/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/04/2025 को जारी किया जाता हैं।

(सील) तहसीलदार तहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202503021700139/अ-27/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका फुलबसिया आ0 सोमार साय उर्फ बिट्टू पत्नी करमू, जाति चेरवा, निवासी ग्राम मेंण्ड्राखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम मेंण्ड्राखुर्द स्थित भूमि कुल खसरा न0 08 कुल रकबा 1.383 हे0 भूमि का अनावेदक मानमति आ0 रामफल व अन्य, निवासी ग्राम मेंण्ड्राखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता विभाजन कराने बावत आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/04/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं

आज दिनांक 01/04/2025 को मेरे हसताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से किया गया।

(सील) नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202503021700129 /अ-27/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बंधु राम आ0 स्व0 लक्ष्मण, निवासी ग्राम कंचनपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 द्वारा ग्राम कंचनपुर स्थित भूमि कुल खसरा नं0 22 कुल रकबा 7.2110 हे0 भूमि का अनावेदक धनेश्वर आ0 शिवशंकर व अन्य, निवासी कंचनपुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता विभाजन कराने बावत आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/04/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं

आज दिनांक 29/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से किया गया।

(सील) नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202503021700137 /अ-27/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका कृष्णा जी आ0 शंकर प्रसाद विश्वकर्मा, जाति लोहार, निवासी ग्राम भगवानपुरखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम भगवानपुरखुर्द स्थित भूमि खसरा न0 54 रकबा 0.2000 हे0 भूमि का अनावेदक हरिलाल आ0 शंकर प्रसाद विश्वकर्मा, जाति लोहार, निवासी ग्राम भगवानपुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता विभाजन कराने बावत आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/04/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं

आज दिनांक 29/03/2025 को मेरे हसताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से किया गया।

(सील) नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2

बर्ड फ्लू सरकारी हेचरी में ही सिर्फ क्यों आता है ?

जनवरी से मार्च के बीच ही सरकारी हेचरी में बर्ड फ्लू की पुष्टि होती है,क्या वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में भ्रष्टाचार मचाना ही बर्ड फ्लू आने की असली वजह है?

6 साल पहले भी जनवरी में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई थी...क्या हेचरी के प्रबंधक का खुद का निजी हेचरी भी है जहां पर सरकारी हेचरी का माल जाता है ?

क्या भ्रष्टाचार पर मिट्टी डालने के लिए हेचरी में बर्ड फ्लू आता है ?

सरकारी हेचरी में बर्ड फ्लू को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं

-रवि सिंह-
कोरिया,05 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी सरकारी हेचरी और सबसे सफल हेचरी कोरिया जिले की हेचरी को माना जाता है,यहां पर कई अलग-अलग प्रजाति के मुर्गी मुर्गा व बटेर सहित अन्य का पालन पोषण किया जाता है,लेकिन यह हेचरी हमेशा बर्ड फ्लू को लेकर सुर्खियों में रहती हैं,यहां पर अब तक पिछले 10 सालों में तीन बार बर्ड फ्लू होने की पुष्टि हुई है और हर बार इसकी पुष्टि का महीना जनवरी से मार्च के बीच का होता है ऐसा सूत्रों का दावा है और यही का सैंपल हर बार जांच के लिए जाता है पर जब कि जिले में सैकड़ो निजी पोल्ट्री फार्म है जहां पर मुर्गियां राखी जाती हैं लेकिन वहां पर कभी भी बर्ड फ्लू की जांच के लिए सेंपल टेस्टिंग के लिए लैब नहीं जाता है और ना ही वहां से कोई पुष्टि होती है,सवाल यह उठता है कि आखिर बाकी निजी पोल्ट्री फार्म का भी टेस्ट के लिए सेंपल क्यों लैब नहीं भेजा जाता है शासकीय हेचरी का ही सिर्फ सेंपल बर्ड फ्लू के लिए टेस्टिंग होता है और जब भी ऐसी स्थिति बनती है तो शासकीय हेचरी ही बर्ड फ्लू का केंद्र बिंदु हो जाता है,अब ऐसे में सवाल यह उठता है की सबसे काम लोग शासकीय हेचरी के मुर्गा का सेवन करते हैं तो वह निजी पोल्ट्री फार्म के मुर्गे का सेवन लोग ज्यादा करते हैं वहीं हेचरी में जब की सबसे ज्यादा सरकारी सुविधाएं दी जाती है ताकि यहां पर अच्छे से मुर्गा उत्पादन किया जा सके पर इतनी सुविधाओं के बीच भी ऐसी बीमारियों का आना कहीं ना कहीं कई सवाल पैदा करता है,जबकि इससे कम सुविधाओं में निजी पोल्ट्री फार्म में लोग मुर्गा उत्पादन कर रहे हैं,पर वहां से बर्ड फ्लू जैसी पुष्टि नहीं होती,ऐसा लगता है कि सिर्फ लोगों की चिंता सरकारी हेचरी से मिलने वाले मुर्गो या मुर्गी या उसके अंडे से ही बर्ड फ्लू के खतरे को लेकर है,बाकी निजी पोल्ट्री फार्म में ऐसी बीमारी पैदा ही नहीं हो सकती? संदेह तो इस बात का भी है कि भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए साल अंतिम वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में ही ऐसी पुष्टि होती है जिससे पूरे साल भर के किए गए भ्रष्टाचार को बर्ड फ्लू के नीचे दबा दिया जाए? जिस दिन इस बात की पुष्टि हुई उससे कुछ दिन पहले ही कई लोगों वहां के मुर्गा मुर्गी व अंडे का सेवन किए जो अभी स्वस्थ है। सरकारी हेचरी बैकुंठपुर में लगातार बर्ड फ्लू की पुष्टि और अन्य निजी पोल्ट्री फार्मों में जांच भी न होना और वहां बर्ड फ्लू की पुष्टि न होना बतलाता है कि सरकारी हेचरी कहीं न कहीं षड्यंत्र का या भ्रष्टाचार का शिकार हो रहा है। बता दें कि यह हेचरी प्रदेश का सबसे बड़ा और सफल हेचरी है जहां विभिन्न प्रजाति के मुर्गे और बटेर सहित जानवर पाले जाते हैं। बैकुंठपुर का शासकीय हेचरी यदि बर्ड फ्लू की पुष्टि केंद्र बना है तो जिले के अन्य पोल्ट्री फार्मों के मुर्गे भी मरने चाहिए जबकि ऐसा नहीं है। पोल्ट्री फार्म के मुर्गे मुर्गियां स्वस्थ हैं और उनमें कोई बीमारी है ऐसा कहीं से सूचना नहीं मिल रही है।

बर्ड फ्लू की पुष्टि सरकारी हेचरी से ही होती है निजी पोल्ट्री फार्म से क्यों नहीं ?

ब्लड सैम्पल और संक्रमण की पुष्टि

29 मार्च को प्रारंभिक परीक्षण किया गया। शासकीय हेचरी सेंटर से 5 मुर्गियों के रक्त परीक्षण के लिए नमूने राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, भोपाल भेजे गए थे। 31 मार्च 2025 को प्राप्त रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई। इसके बाद कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर सभी मुर्गियों और अन्य पक्षियों को नष्ट करने के आदेश दिए गए। इसके तहत कुल 24,087 मुर्गियों, 9,998 चूजों, 2,448 बटेरों और 19,095 अंडों को नष्ट किया गया। साथ ही, शासकीय हेचरी से मुर्गी और बटेर की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

नेजल स्वाब के लिए नमूने

1 अप्रैल 2025 को शासकीय हेचरी के कर्मचारियों से 20 नेजल स्वाब नमूने लिए गए,जिन्हें परीक्षण के लिए एम्स रायपुर भेजा गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रभावित क्षेत्र के 1 किलोमीटर दायरे में घर-घर जाकर सर्वे किया। अब तक 136 घरों का सर्वे किया गया,जिसमें 346 लोग लक्षणों (सर्दी,खांसी) के साथ पाए गए।

चिकित्सक से संपर्क करने की सलाह

पोल्ट्री उत्पादों से संपर्क में आए लोगों को बार-बार हाथ धोने और किसी भी लक्षण के मामले में नजदीकी चिकित्सक से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

आवश्यक दवाइयां और टेस्टिंग सामग्री

एविएन इन्फ्लूएंजा के इलाज के लिए ओसिल्टामिविर और अन्य जरूरी टेस्टिंग सामग्री की आपूर्ति के लिए डिमांड भेजी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति को इस बीमारी से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही, अधिकारियों और आम नागरिकों से निवेदन किया गया है कि किसी भी संदिग्ध मामले की जानकारी तुरंत स्वास्थ्य विभाग को दी जाए। जिला प्रशासन ने सभी वर्गों से सहयोग करने की अपील की है।

क्या बर्ड फ्लू संक्रमण का खतरा सिर्फ शासकीय हेचरी से निजी पोल्ट्री फार्मो से नहीं ?

निजी पोल्ट्री फार्म बिना किसी ज्यादा सुरक्षा और सुविधा के संचालित हैं फिर भी वहां बर्ड फ्लू नहीं आता वहीं शासकीय हेचरी में हर साल आ जा रहा है,ऐसा क्यों है इसकी जांच होनी चाहिए।

शासकीय हेचरी सेंटर बैकुण्ठपुर में एविएन इन्फ्लूएंजा के संबंध में कार्यवाही जिला प्रशासन की अपील सभी वर्ग करें सहयोग

शासकीय हेचरी सेंटर बैकुण्ठपुर में एविएन इन्फ्लूएंजा के मामले को लेकर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर कोरिया के निर्देशानुसार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय काम्बेक्ट टीम ने प्रभावित क्षेत्र में कार्यवाही शुरू की है।

पिछले 20-22 साल से एक ही व्यक्ति के पास सरकारी हेचरी की जिम्मेदारी, क्या यह भी है भ्रष्टाचार व बर्ड फ्लू का जनक ?

जिले में है सैकड़ो पोल्ट्री फार्म पर वहां पर नहीं होती है कोई जांच और ना ही वहां आता है बर्ड फ्लू... कोरिया की सरकारी हेचरी ही है बर्ड फ्लू का केंद्र ?

बेहतर व्यवस्था में रहते हैं यहां के मुर्गी मुर्गा व बटेर फिर भी बर्ड फ्लू का संक्रमण समझ के परे ?

कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में स्थित सरकारी हेचरी में कई तरह मुर्गा मुर्गी उत्पादन होता है साथ ही लोगों को मुर्गी पालन के लिए प्रोत्साहित भी किया जाता है यहां पर बटेर भी है यहां का कड़कनाथ काफी प्रसिद्ध है यहां पर सभी वैरायटी के मुर्गा व मुर्गी के लिए अलग-अलग पार्टीशन किया हुआ कमरा है, ठंडी गर्मी से लेकर बरसात तक में बेहतर व्यवस्था रखी जाती है संक्रमण न आए इसके लिए भी काफी उपचार किया जाता है कहा जाए तो सबसे बेहतर व्यवस्था के तहत यहां पर उत्पादन होता है,अंडे से लेकर चूजे और मुर्गी व मुर्गी सभी का समय पर दवाइयां व दाना पानी भी बेहतर होता है यहां पर कोई भी बाहरी पक्षी या जानवर का प्रवेश निषेध होता है यहां तक कि मनुष्य भी वहां तक नहीं पहुंचते हैं उसके बावजूद संक्रमण का फैलना कैसे संभव है यह बड़ा सवाल है। इससे कम सुविधा में निजी पोल्ट्री फार्म में मुर्गा मुर्गी रहते हैं पर वहां पर संक्रमण की खबरें नहीं आती या फिर कहा जाए तो वहां पर जांच ना होना ही वहां से संक्रमण न होने की खबरों को माना जा सकता है यदि जांच हो तो वहां भी संक्रमण पाया जा सकता है पर ऐसे में सवाल यह उत्पन्न होता है कि क्या फिर वहां पर संक्रमण में आ जाते हैं लोग?

हेचरी में खरीदी बिक्री के भ्रष्टाचार को छुपाने की यह कोई तरकीब तो नहीं ?

वैसे बैकुंठपुर की शासकीय हेचरी में ही बर्ड फ्लू की दस्तक हर बार सुनाई देती है और इसके पीछे हेचरी में जारी भ्रष्टाचार को छिपाना उद्देश्य हो सकता है ऐसी भी संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। हर बार सर्व सुविधायुक्त शासकीय हेचरी में ही बर्ड फ्लू की दस्तक यह सोचने पर मजबूर कर रही है कि बर्ड फ्लू बीमारी आ रही है या लाई जा रही है।

निजी पोल्ट्री फार्म का क्यों नहीं होता टेस्ट ?

जिस तरह जिले के शासकीय हेचरी में बर्ड फ्लू की जांच हो रही हर बार उसी तरह निजी पोल्ट्री फार्मों में भी जांच क्यों नहीं हो रही है। क्या बर्ड फ्लू निजी पोल्ट्री फार्मों से नाराज है केवल वह शासकीय हेचरी ही जाना चाहता है। जिस तर्ज पर हर बार शासकीय हेचरी बर्ड फ्लू का शिकार बन रही है यह कहना गलत नहीं होगा कि हेचरी षड्यंत्र का शिकार हो रही है।

ना दवाइयों की कमी ना दानों की कमी और ना ही सुविधाओं की कमी लोगों के संपर्क से भी बाहर फिर सरकारी हेचरी में क्यों देता है बर्ड फ्लू दस्तक ?

शासकीय हेचरी में न ही दवाइयों की कमी है,न दानों की कमी है न ही सुविधाओं की कमी वहीं न ही वहां लोगों का ही आम जाना है फिर भी वहां बर्ड फ्लू बार बार दस्तक दे रहा है ऐसा क्यों,बर्ड फ्लू क्यों बार बार शासकीय हेचरी पर मेहरबान है। वैसे बर्ड फ्लू का यह पहला मामला नहीं है जिले में ऐसा पहले भी होते आया है और हर बार शासकीय हेचरी में ही बर्ड फ्लू डेरा जमाते नजर आता है वह निजी पोल्ट्री फार्मों का रुख नहीं करता।

बर्ड फ्लू के बीच मुर्गियों से भरे वाहन की संदिग्ध आवाजाही क्या प्रशासन की लापरवाही की पोल खोलती है ?

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,05 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय बैकुंठपुर स्थित सरकारी पोल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद प्रशासन ने फार्म को सील कर दिया है और जिले की सीमाओं पर वाहनों की सघन जांच के लिए नाके लगाए गए हैं। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। इसी बिच नजर जब एक संदिग्ध मुर्गी वाहन पर पड़ी तो प्रशासन की सतर्कता की पोल खुल गई। मध्यप्रदेश के वाहन क्रमांक एमपी 20 जीबी 5849 को भैयाथान होते हुए पटना के आगे प्रशासन द्वारा बनाए गए चेक पोस्ट पर खड़ा पाया गया। वाहन में बड़ी संख्या में मुर्गियां भरी थीं और दोनों ओर 20-20 फीट तक दुर्गंध फैली हुई थी। जैसे ही मीडिया टीम ने वाहन की वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू की,ड्राइवर तत्काल चेक पोस्ट से वाहन में जाकर बैठा और वाहन को रिवर्स मोड में पटना की ओर भगा ले गया। इस दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मी और कोटवार उसे रोकने का प्रयास करते रहे,लेकिन वह वाहन लेकर फरार हो गया। इसकी सूचना तत्काल पटना टीआई को दी गई, लेकिन मुर्गियों से भरा यह वाहन पकड़ में नहीं आया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि वाहन वैध और जांच में साफ था, तो वह मौके से भागा क्यों? सूत्रों की माने तो यह घटना प्रशासन द्वारा बनाए गए चेक पोस्टों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। बर्ड फ्लू के खतरे को देखते हुए जिले में वाहनों की सख्त जांच के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन यह मामला बताता है कि नाके महज दिखावा बनकर रह गए हैं। मध्यप्रदेश से अवैध रूप से लाया गया यह मुर्गियों से भरा वाहन जिला मुख्यालय से होते हुए आसानी से पटना थाना क्षेत्र में पहुंच जाता है और फिर भागकर लापता हो जाता है। यह साफ दर्शाता है कि प्रशासनिक सतर्कता सिर्फ कागजों तक सीमित है। अब यह देखना होगा कि इस मामले में जिला प्रशासन क्या कार्रवाई करता है और क्या भविष्य में ऐसी लापरवाहियों पर लगाम लगाई जा सकेगी।

संक्षिप्त खेल खबर

लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत पर लगा भारी भरकम जुर्माना

दिग्वेश राठी को भी बीसीसीआई ने दी सजा

लखनऊ,05 अप्रैल 2025। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर शुक्रवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम,लखनऊ में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 16वें इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान स्लो ओवर रेट बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। टीम ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच 12 रनों से जीता,लेकिन कप्तान पर जुर्माना लगाया गया, और स्पिनर दिग्वेश राठी को भी टूर्नामेंट का दूसरा डिमेरिट पॉइंट मिला।लखनऊ के कप्तान पंत पर जुर्माना लगाया गया क्योंकि यह इस सीजन में टीम का पहला अपराध था. दिग्वेश पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया,लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर शुक्रवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है.।

तिलक वर्मा को क्यों किया गया रिटायर्ड आउट ?

कप्तान हार्दिक और कोच जयवर्धने ने किया बड़ा खुलासा

लखनऊ,05 अप्रैल 2025। मुंबई इंडियंस के बाएं हाथ के स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा ने इंडियन प्रीमियर लीग में एक अनूठी उपलब्धि हासिल की और वह रिटायर्ड आउट होने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए। शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच में वे 7 गेंद शेष रहते मैदान से बाहर चले गए। 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंपैक्ट प्लेयर के रूप में आने के बाद उन्होंने 23 गेंदों पर 25 रनों की पारी खेली। आर अश्विन, अथर्व तायडे और साई सुदर्शन आईपीएल इतिहास में रिटायर्ड होने वाले अन्य खिलाड़ी हैं। तिलक ने तब मैदान छोड़ा, जब एमआई को 7 गेंदों पर 24 रनों की जरूरत थी और उनके पास 5 विकेट बचे थे। हालांकि, वे अंत में फिनिश लाइन पार करने में नाकाम रहे और 12 रन से मैच हार गए।

सनराईज हैदराबाद और गुजरात टाईटंस के बीच मैच आज

हेड या बटलर किसे बनाएं कप्तान

हैदराबाद,05 अप्रैल 2025। आईपीएल 2025 का 19वां लीग मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के बीच में 6 अप्रैल को हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने अभी तक इस सीजन अपने प्रदर्शन से सभी को निराश किया है, जिसमें उन्होंने 4 मैच खेलने के बाद सिर्फ एक में ही जीत हासिल की है,जिसमें पिछले तीन मुकाबलों में उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा है। वहीं दूसरी तरफ गुजरात टाइटंस टीम के प्रदर्शन को लेकर बात की जाए तो उन्होंने तीन मैचों में से 2 को जहां जीता है तो वहीं एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। हम आपको सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले मुकाबले की संभावित ड्रीम11 टीम के बारे में बताने जा रहे हैं।

तीन विकेटकीपर और चार बल्लेबाजों को दें अपनी टीम में जगह

सनराइजर्स हैदराबाद बनाम गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले इस मुकाबले की ड्रीम11 टीम को लेकर बात की जाए तो उसमें आप विकेटकीपर के रूप में तीन प्लेयर्स को चुन सकते हैं, जिसमें हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन और जोस बटलर का नाम शामिल है। वहीं इसके बाद आप अपनी इस टीम में चार बल्लेबाजों को जगह दे सकते हैं। इसमें ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, अनिकेत वर्मा और साई सुदर्शन का नाम शामिल है। ऑलराउंडर प्लेयर्स वाले ऑप्शन में आप अभिषेक शर्मा और नितीश कुमार रेड्डी को चुन सकते हैं। वहीं गेंदबाजों के विकल्प में से आप हर्षल पटेल के अलावा राशिद खान को अपनी इस टीम का हिस्सा बना सकते हैं। इस मुकाबले के लिए आप अपनी ड्रीम11 टीम का कप्तान जोस बटलर को बना सकते हैं, जिनका अभी तक इस सीजन बल्ले से कमाल का प्रदर्शन देखने को मिला है। वहीं उपकप्तान आप ईशान किशन को बना सकते हैं, जो पिछले तीन मैचों में कोई खास कमाल नहीं कर सके लेकिन इस मुकाबले में उनसे सभी को बड़ी पारी की उम्मीद जरूर होगी।

एसआरएच व्हीएस जीटी मैच की ड्रीम 11 टीम

हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन (उपकप्तान),जोस बटलर (कप्तान), ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, अनिकेत वर्मा, साईं सुदर्शन, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, राशिद खान।

गुजरात का हैदराबाद के खिलाफ रिकॉर्ड बेहतर

शुभमन गिल की कप्तानी में खेल रही गुजरात टाइटंस की टीम का सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल में रिकॉर्ड देखा जाए तो वह काफी बेहतर देखने को मिलता है, जिसमें दोनों टीमों के बीच 5 मैच खेले गए हैं, जिसमें से तीन को गुजरात ने अपने नाम किया है तो वहीं हैदराबाद की टीम सिर्फ एक मुकाबले को जीतने में सफल रही है।

किशोर टेनिस स्टार माया राजेश्वरन ने कहा,इस वर्ष मेरा मुख्य लक्ष्य जूनियर ग्रैंड स्लैम खेलना

पुणे,05 अप्रैल 2025। महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) मुंबई ओपन में अपने सनसनीखेज सेमीफाइनल प्रदर्शन के बाद, 15 वर्षीय माया राजेश्वरन बिली जीन किंग कप 2025 एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 के लिए रिजर्व खिलाड़ी के रूप में भारतीय टीम में शामिल हो गई हैं। महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ (एमएसएलटीए), अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) और पुणे मेट्रोपॉलिटन डिस्ट्रिक्ट टेनिस संघ (पीएमडीटीए) के सहयोग से बिली जीन किंग कप का आयोजन करेगा, जो 8 अप्रैल से 12 अप्रैल तक म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में होगा, एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार। टूर्नामेंट से पहले बोलते हुए, माया ने वर्ष के लिए अपने लक्ष्यों पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा, इस वर्ष मेरा मुख्य लक्ष्य जूनियर ग्रैंड स्लैम खेलना है, साथ ही महिला वर्ग में भी खेलना है। उम्मीद है कि मैं आने वाले वर्षों में जूनियर स्लैम जीत पाऊंगी, यही मेरा मध्यावधि लक्ष्य है।÷ 15 वर्षीय खिलाड़ी ने मुंबई ओपन (एमएसएलटीए द्वारा आयोजित एक टूर्नामेंट) में अपनी हाल की उपलब्धियों के बारे में भी बात की, जिसने उन्हें राष्ट्रीय सुर्खियों में ला दिया। मुंबई ओपन के लिए वाइल्डकार्ड अवसर कुछ खास था। मजेदार बात यह है कि यह मेरे लिए योजना का हिस्सा भी नहीं था। यह एमएसएलटीए और सुंदर अय्यर सर थे,जिन्होंने मुझे वाइल्डकार्ड अवसर दिया, और मैं इसके लिए आभारी हूं, उन्होंने कहा। जैसे ही मुझे वाइल्डकार्ड मिला, मुझे पता था कि अवसर कितना अच्छा था। पहला मैच जीतने के बाद भी,मैं अपने खेलने के तरीके से खुश थी, लेकिन मैं मैच जीतने से संतुष्ट नहीं थी क्योंकि अंतिम लक्ष्य क्वालीफिकेशन।

मैट्स हम्मेल्स सत्र के अंत में संन्यास लेंगे

बर्लिन,05 अप्रैल 2025। जर्मनी के साथ 2014 विश्व कप जीतने वाले रोमा डिफेंडर मैट्स हम्मेल्स इस सत्र के अंत में संन्यास लेने वाले हैं, उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक भावनात्मक वीडियो में, 36 वर्षीय हम्मेल्स ने एक ऐसे पल का जिक्र किया,जिसे कोई भी फुटबॉलर टाल नहीं सकता, उन्होंने आगे कहा 18 साल से ज़्यादा समय तक फुटबॉल ने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसके बाद मैं इस गर्मी में अपना करियर खत्म कर रहा हूँ। हम्मेल्स बायर्न म्यूनिख के जूनियर्स से आए और 18 साल की उम्र में क्लब के लिए डेब्यू किया, उसके बाद बोरूसिया डॉर्टमुंड चले गए, जहाँ वे जुर्गन क्लॉप की दो बार की खिताब विजेता टीम का अहम हिस्सा बन गए। साथी सेंटर-बैक जेरोम बोएटेंग के साथ खेलते हुए,हम्मेल्स ने 2014 विश्व कप फ़ाइनल के हर मिनट में खेला, जहाँ जर्मनी ने ब्राज़ील के माराकाना स्टेडियम में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर चौथी बार खिताब जीता। बाद में वे बायर्न वापस चले गए, जहाँ उन्होंने तीन और लीग खिताब जीते।

कभी थर्राते थे बॉलीवुड के खूंखार हीरो इनसे

आज इस विलेन की हालत देख आया फैन्स को तरस, बोले- उम्र का तकाजा..

बॉलीवुड में 80 और 90 के दशक हीरो की हेकड़ी निकालने वाले एक विलेन को देखकर फैन निराश हो गए। कभी बॉलीवुड के हीरो इस विलेन से पर्दे पर थर्राया करते थे। लेकिन अब समय का पहिया ऐसा घूमा कि शरीर से लेकर चेहरा तक अंजान सा लगने लगा। हम बात कर रहे हैं 300 से ज्यादा फिल्मों में काम करने वाले एक्टर और मशहूर विलेन रहे प्रेम चोपड़ा की। प्रेम चोपड़ा ने बॉबी,दो अंजाने,त्रिशूल,राजा बाबू, सौतन और दोस्ताना जैसी दर्दनों फिल्मों में अपनी एक्टिंग से हीरो के छक्के छुड़ाए हैं। लेकिन हाल ही में प्रेम चोपड़ा का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें प्रेम चोपड़ा को देखकर फैन्स को उनपर तरस आने लगा। इतना ही नहीं प्रेम चोपड़ा को देख फैन्स ने ये उम्र का तकाजा भी बता दिया है।

प्रेम चोपड़ा को देख उदास हो गए फैन्स

कभी खर्राती आवाज और खौफनाक एक्टिंग देख फैन्स दहशत से भर जाते थे। लेकिन अब प्रेम चोपड़ा की भी उम्र हो गई है। शुक्रवार को मनोज कुमार के निधन पर प्रेम चोपड़ा शामिल हुए थे। यहां पैपराजी ने अपने कैमरों में प्रेम चोपड़ा को कैद कर लिया। यहां प्रेम चोपड़ा को देख फैन्स को काफी निराशा हुई। हालांकि कुछ लोगों ने यहां तक कि उम्र का तकाजा है। प्रेम चोपड़ा का जन्म लाहौर में एक हिंदू पंजाबी परिवार में 23 सितंबर 1935 को रणबीरलाल और रूपरानी चोपड़ा के घर हुआ था। वे छह बच्चों में तीसरे थे। उनके पिता अटॉर्नी जनरल के कार्यालय में काम करते थे। उनका पालन-पोषण शिमला में हुआ। उनके पिता चाहते थे कि वे आईएएस अधिकारी बनें लेकिन चोपड़ा ने कॉलेज में प्रदर्शन कला का अध्ययन किया और पंजाब विश्वविद्यालय से कला में स्नातक किया। 1957-1961 की अवधि में शिमला में एक मजबूत थिएटर आंदोलन था और चोपड़ा ने इसका भरपूर आनंद लिया। उन्होंने बहुत सारी हिंदी और अंग्रेजी फिल्में देखीं और स्नातक होने के बाद 1960 के दशक की शुरुआत में बॉम्बे आ गए और अपनी कला की डिग्री के कारण टाइम्स ऑफ इंडिया के सर्कुलेशन विभाग में शामिल हो गए। साथ ही स्टूडियो जाते रहे और फिल्मों में ब्रेक पाने की कोशिश करते रहे।

1960 में की थी पहली फिल्म

प्रेम चोपड़ा ने 1960 में भारत भूषण अभिनीत मुड़ मुड़ के ना देख से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की, जो अच्छी नहीं चली। 1960 में उन्हें स्थापित स्टार जाबीन जलील के साथ पंजाबी फिल्म चौधरी करनैल सिंह मिली और फिल्म ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीता और प्रेम को पहचान मिली। लेकिन 1964 तक उनकी पहली पंजाबी हिट फिल्मों करनैल सिंह और सपने को छोड़कर उनकी कोई ज्यादा हिट हिंदी फिल्म नहीं आई। इसके बाद 1964 में उन्होंने शहीद में सुखदेव की भूमिका निभाई, जो उनकी दुर्लभ सकारात्मक प्रमुख भूमिकाओं में से एक थी और हिट रही। 1965-67 में सिकंदर ए आजम, निशान,कुंवारी,तीसरी मंज़िल,मेरा साया और उपकार जैसी हिट फिल्मों में उनके अभिनय ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाया। तीसरी मंजिल और उपकार के बाद उन्हें खलनायक के रूप में फिल्मों की बाढ़ आ गई। प्रेम चोपड़ा ने TOI के साथ काम करना जारी रखा, जबकि वे पहले से ही 1965 में निशान, सिकंदर ए आजम और 1966 में सगाई, मेरा साया जैसी बॉक्स-ऑफ़िस हिट फिल्मों का हिस्सा थे। 1967 में उपकार के बाद उन्होंने टाइम्स ऑफ़ इंडिया छोड़ दिया।

दो रास्ते फिल्म ने जन्मा धाकड़ विलेन

खलनायक के रूप में उन्होंने सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ दो रास्ते में अभिनय करके पूरे भारत में प्रसिद्धि प्राप्त की। राजेश-प्रेम की जोड़ी ने 1969 से 1991 में घर परिवार तक 19 फिल्मों में काम किया। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित कॉमेडी फिल्म हलचल (1971) में, इस सस्पेंस थ्रिलर में मुख्य नायक की भूमिका निभाई और खलनायक नहीं थे और प्रेम कुंवारी (1966), समाज को बदल डालो (1970) में प्रमुख व्यक्ति थे। प्रेम चोपड़ा ने 1970 के बॉक्स-ऑफिस पर हिट छोटे बजट की कॉमेडी फिल्म समाज को बदल डालो में मुख्य नायक की भूमिका निभाई और उनके साथ तमिल अभिनेत्रियां कंचना और शारदा थीं। इस 1970 की फिल्म में रफी द्वारा गाया और प्रेम चोपड़ा में चित्रित गीत- तुम अपनी सहेली को इतना बता दो कि उसे कोई प्यार करने लगा है आज भी लोकप्रिय है। हिंदी फिल्मों में खलनायक के रूप में उनका चरम काल 1967 से 1991 तक रहा उन्होंने 1999 से सकारात्मक चरित्र भूमिकाएं निभानी शुरू कर दीं और 2005 से उन्हें और अधिक सकारात्मक भूमिकाएं मिलनी शुरू हो गईं। 2005 के बाद फिल्मों में उनका स्क्रीन स्पेस कम हो गया।

इन फिल्मों में किया कमाल का काम

प्रेम चोपड़ा ने अपने करियर में 350 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। लेकिन इनमे से शहीद (1965),सिकंदर-ए-आजम (1965), कुंवारी (1966), उपकार (1967), दो रास्ते (1969), पूरब और पश्चिम (1970),कटी पतंग (1970), कीमत (1973),अजनबी (1974),प्रेम नगर (1974), (1975),मेहबूबा (1976), दो अनजाने (1976), जादू तोना (1977), त्याग (1977), दोस्ताना (1980), क्रांति (1981), सौतें, ऊंचे लोग (1985),फूल बने अंगारे (1991), बेवफ़ा से वफ़ा (1992) जैसी फिल्मों में खूब नाम कमाया। प्रेम ने 60 से 90 के दशक में शहीद, कुवारी, समाज को बदल डालो, हलचल,जादू तोना,प्रेम प्रतिज्ञा जैसी कुछ फिल्मों में बड़े पर्दे पर सकारात्मक भूमिकाएं निभाईं। बाद में 1999 में चोरी चोरी चुपके चुपके और कोई मिल गया, बंटी और बबली,विरुद्ध,मैंने गांधी को नहीं मारा,धमाल,रॉकेट सिंह, दिल्ली 6,डैडी कूल में उन्हें सकारात्मक भूमिका दी।

अल्लू अर्जुन की आर्या 2 सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने पर प्रशंसक उत्साहित

अल्लू अर्जुन ने भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े पैन-इंडिया सुपरस्टार के रूप में अपनी जगह पक्की कर ली है। बॉक्स ऑफिस पर उनका दबदबा, बेजोड़ स्क्रीन प्रेजेंस और बेहतरीन अभिनय ने उन्हें पूरे देश और उसके बाहर सबसे चहेते अभिनेता बना दिया है। हर फिल्म के साथ, वह अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाते रहते हैं, लेकिन यह पुष्पा फ्रैंचाइज़ी ही है जिसने उन्हें वैश्विक स्टारडम में पहुंचा दिया है, जिससे वह एक अलग पहचान और खुद का एक ब्रांड बन गए हैं। उनकी हालिया हिट, पुष्पा 2ः द रूल ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया, अपनी ज़बरदस्त सफलता के साथ रिकॉर्ड फिर से लिख दिए। इस लहर पर सवार होकर, उनकी प्रतिष्ठित क्लासिक आर्या 2 को फिर से रिलीज़ किया गया, और प्रशंसक जादू को फिर से जीने के लिए सिनेमाघरों में उमड़ पड़े। आर्या 2 से अल्लू अर्जुन के प्रतिष्ठित रिंगा रिंगा गाने पर सिनेमाघरों में बेतहाशा नाचते प्रशंसकों के वीडियो वायरल हो रहे हैं, जो उनके बेदाग मूव्स और बेजोड़ ऊर्जा का जश्न मना रहे हैं। यह दर्शाता है कि प्रशंसकों द्वारा फिल्म को अभी भी इसके अद्भुत कलाकारों, सुपरहिट गानों और अल्लू अर्जुन के दमदार अभिनय के लिए कितना पसंद किया जाता है। आर्या 2 में अल्लू अर्जुन, काजल अग्रवाल, श्रद्धा दास और नवदीप जैसे प्रतिभाशाली कलाकार थे। फिल्म के गाने, जैसे रिंगा रिंगा, माई लव इज़ गॉन और उपेनंथा, तुरंत चार्टबस्टर बन गए और आज भी अपने आकर्षक संगीत के लिए प्रशंसकों द्वारा पसंद किए जाते हैं। इसके अलावा, अल्लू अर्जुन ने पुष्पा 2ः द रूल के साथ सिनेमाई तूफान ला दिया, जिसने इसे पूरे देश में धूम मचा दी। पुष्पराज के रूप में अपनी शानदार भूमिका को दोहराते हुए, उन्होंने एक ऐसे प्रदर्शन के साथ वापसी की जिसने हर रिकॉर्ड तोड़ दिया। फिल्म ने अकेले हिंदी बेल्ट में ₹800 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया और वैश्विक स्तर पर ₹1,800 करोड़ की जबरदस्त कमाई की। अब, प्रशंसकों का बेसब्री से इंतज़ार है क्योंकि वे धमाकेदार अगले अध्याय और पुष्पा 3ः द रैम्पेज में अल्लू अर्जुन की वापसी के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं!

अमिताभ,अभिषेक बच्चन,सलीम खान,अन्य हस्तियों ने मनोज कुमार को अंतिम विदाई दी

भारतीय फिल्म उद्योग ने अपने सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों में से एक मनोज कुमार को भावभीनी विदाई दी, क्योंकि उनका अंतिम संस्कार 5 अप्रैल, 2025 को मुंबई के पवन हंस श्मशान घाट पर किया गया। देशभक्ति से भरपूर किरदारों को निभाने के लिए मशहूर अभिनेता और निर्देशक को पूरे राजकीय सम्मान के साथ दफनाया गया, जिससे भारतीय सिनेमा में एक युग का अंत हो गया। अंतिम संस्कार में बॉलीवुड की कई प्रमुख हस्तियाँ शामिल हुईं, जिनमें अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन,सलीम खान, अरबाज खान और प्रेम चोपड़ा शामिल थे। पिता-पुत्र अमिताभ और अभिषेक बच्चन,अन्य करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ दिग्गज भारत कुमार को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए। अभिनेता के पार्थिव शरीर को भारतीय तिरंगे में लपेटकर श्मशान घाट ले जाया गया, जबकि उनके पार्थिव शरीर को ले जाने वाली एम्बुलेंस को राष्ट्रीय रंगों की मालाओं और फूलों से सजाया गया था, जो सिनेमा में देशभक्ति के साथ उनके आजीवन जुड़ाव का प्रतीक है। वरिष्ठ अभिनेता विंदू दारा ने एएनआई से बात करते हुए कुमार के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की और कुमार के दौर में देश के सामने आने वाली चुनौतियों को स्वीकार किया। विंदू ने कहा,मनोज अंकल के समय में कई समस्याएं थीं...अब एकता पर फिल्में बननी चाहिए। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई एक हैं...वह (मनोज कुमार) अमर हैं और हमेशा जीवित रहेंगे। अभिनेता राजपाल यादव ने इस क्षति से बहुत दुखी होकर कुमार को भारत का विश्व कला रत्न बताया और कहा कि वह भारत रत्न हैं, भारतीय सिनेमा में उनके अमूल्य योगदान पर जोर दिया। वह भारत के विश्व कला रत्न हैं, वह भारत रत्न हैं। मैं उन्हें सलाम करता हूं और वह हमारे बॉलीवुड के रत्न हैं और हमेशा रत्न रहेंगे, उन्होंने कहा। विले पार्ले श्मशान घाट पर हुए अंतिम संस्कार में कई अन्य मशहूर हस्तियां और प्रशंसक शामिल हुए, जिन्होंने उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। एक भव्य समारोह हुआ, जिसमें पुलिस द्वारा दिवंगत आइकन को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जिसमें सिनेमा और राष्ट्र दोनों में उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया गया।

24 जुलाई, 1937 को एबटाबाद (अब पाकिस्तान में) में हरिकृष्ण गोस्वामी के रूप में जन्मे मनोज कुमार ने राष्ट्रवादी चरित्रों के अपने शक्तिशाली चित्रण के माध्यम से एक सिनेमाई किंवदंती के रूप में अपनी जगह बनाई। उपकार (1967),पूरब और पश्चिम (1970),और शहीद (1965) जैसी फिल्मों में उनकी यादगार भूमिकाओं ने भारत में देशभक्ति सिनेमा की शैली को परिभाषित करने में मदद की। अपने अभिनय के अलावा, कुमार ने एक निर्देशक और निर्माता के रूप में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी। उनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म उपकार ने दूसरी सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता, और उन्होंने भारत की भावना को पकड़ने वाली फिल्मों के साथ उद्योग में योगदान देना जारी रखा। 4 अप्रैल, 2025 को 87 वर्ष की आयु में उम्र संबंधी स्वास्थ्य जटिलताओं के कारण उनकी मृत्यु हो गई, जिससे फिल्म उद्योग और राष्ट्र शोक में डूब गया है। राजनीतिक नेताओं और मशहूर हस्तियों ने भी श्रद्धांजलि दी है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने काम के माध्यम से राष्ट्रीय गौरव को प्रेरित करने की उनकी क्षमता के लिए कुमार की प्रशंसा की है। अंतिम संस्कार के समय, प्रशंसकों के सम्मान के लिए उनके निवास के प्रवेश द्वार पर युवा मनोज कुमार की एक तस्वीर प्रदर्शित की गई थी।

अगले चैत्र नवरात्रि तक खत्म होगा नक्सलवाद:अमित शाह

बस्तर अब बंदूक नहीं,विकास की आवाज से जाना जायेगा:केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह

» बस्तर की संस्कृति को मिलेगा वैश्विक मंच...

» केंद्रीय गृह मंत्री का ऐलान : हर नक्सल मुक्त गांव को मिलेगी 1 करोड़ रुपए की विकास निधि...

» आदिवासी अस्मिता और संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय मंच दिलाने का संकल्प...

» बस्तर पंडुम 2025 का ऐतिहासिक समापन समारोह सम्पन्न...

रायपुर,5 अप्रैल 2025(ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर पंडुम के समापन समारोह में नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का ऐलान करते हुए कहा कि मां दंतेश्वरी के आशीर्वाद से अगले चैत्र नवरात्रि तक बस्तर से लाल आतंक का खात्मा हो जाएगा। बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति को देश-दुनिया तक पहुंचाने के लिए आयोजित इस भव्य समारोह में उन्होंने नक्सलवाद पर सीधा हमला बोला और क्षेत्र की खुशहाली का संकल्प दोहराया।

आदिवासियों की विशाल भीड़ को संबोधित करते हुए शाह ने कहा,इस साल बस्तर पंडुम को बस्तर के उत्सव के रूप में मनाया गया,लेकिन मैं पीएम मोदी का संदेश लेकर आया हूं। अगले साल हम बस्तर पंडुम को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाएंगे। देश के हर आदिवासी जिले से कलाकार यहां आएंगे। इतना ही नहीं, इसे अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए दिल्ली में मौजूद सभी देशों के राजदूतों को बस्तर लाया जाएगा। भाजपा सरकार बस्तर की परंपराओं,संस्कृति और आदिवासी बच्चों की कला को वैश्विक मंच पर स्थापित करेगी। 12 मार्च से शुरू हुए इस आयोजन के लिए जिला प्रशासन और संस्कृति विभाग ने 5 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है, जो बस्तर के इतिहास में पहला इतना बड़ा सांस्कृतिक कार्यक्रम है। शाह ने बताया कि यह पंडुम स्थानीय कला, पारंपरिक लोककलाओं, शिल्प, तीज-त्योहारों, खान-पान, बोली-भाषा,रीति-रिवाज,वेशभूषा,आभूषण, वाद्य यंत्रों, गीत-संगीत, व्यंजनों और पेय पदार्थों को उनके मूल रूप में संरक्षित और संवर्धित करने का माध्यम बनेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि बस्तर पंडुम न केवल सांस्कृतिक उत्सव है, बल्कि यह क्षेत्र के विकास और नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में एक मजबूत कदम भी है।

बस्तर पण्डुम को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का संकल्प

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने अपने उद्बोधन में बस्तर पण्डुम को अगले वर्ष से राष्ट्रीय महोत्सव के रूप में मनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि देशभर के आदिवासी जिलों के कलाकारों को इस महोत्सव में आमंत्रित किया जाएगा, और बस्तर की संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई जाएगी। पिछड़े और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए जीवन समर्पित कर दिया।

47000 कलाकारों की भागीदारी, 5 अप्रैल तक चला आयोजन

उन्होंने कहा कि बस्तर पण्डुम में 1850 ग्राम पंचायतों,12 नगर पंचायतों, 8 नगर परिषदों, और एक नगर पालिका के कुल 47000 कलाकारों ने भाग लिया। यह उत्सव 12 मार्च से 5 अप्रैल तक चला और इस वर्ष 7 श्रेणियों में आयोजित किया गया। अगले वर्ष इसे 12 श्रेणियों में विस्तारित किया जाएगा।

संस्कृति, भाषा और परंपराओं को संजोने का आहवान

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर की बोलियां,वाद्य यंत्र,भजन और परंपराएं केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, पूरे भारत की सांस्कृतिक विरासत हैं। उन्होंने कहा कि इन्हें संरक्षित रखना हम सबकी ज़िम्मेदारी है।

विकास की नई योजना : नक्सलमुक्त गांवों को मिलेगा 1 करोड़ रुपये

केंद्रीय गृह मंत्री ने घोषणा की कि जो गांव नक्सलियों के आत्मसमर्पण में सहयोग करेंगे, उन्हें नक्सली मुक्त गांव घोषित कर 1 करोड़ रुपये की विकास निधि दी जाएगी। उन्होंने अपील की कि ग्राम सभा कर गांवों को सरेंडर की प्रक्रिया में आगे लाएं।

5500 रुपये में सीधे तेंदूपत्ता की खरीदी, बिचौलियों का अंत

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अब तेंदूपत्ता 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से सीधे सरकार खरीद रही है, और राशि सीधे आदिवासियों के खाते में जा रही है। इससे लाल आतंक से जुड़े लोगों का नियंत्रण समाप्त होगा।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मिलेगा पुनर्वास

केंद्रीय गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि जो नक्सली हथियार छोड़ देंगे, उन्हें पूरी सुरक्षा और सम्मान के साथ मुख्यधारा में लाया जाएगा। लेकिन जो हथियार नहीं डालेंगे,उनके विरुद्ध सुरक्षाबल कड़ी कार्रवाई करेगी।

हर गांव में स्कूल, दवाखाना,आधार और राशन कार्ड की व्यवस्था

केंद्रीय गृह मंत्री ने बताया कि हर गांव में शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए छोटे अस्पताल, स्कूल, आधार कार्ड, राशन कार्ड और स्वास्थ्य बीमा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

'वोकल फॉर लोकल' के अंतर्गत बस्तर के उत्पादों को बाजार उपलब्ध

केंद्रीय गृह मंत्री ने बस्तर के बेल मेटल, टेराकोटा,लकड़ी शिल्प, गोदना और चित्रकला को वैश्विक मंच देने की योजना बताई। 'वोकल फॉर लोकल' के तहत इन उत्पादों को दिल्ली तक के बाजारों में पहुंचाया जाएगा।

आदिवासी नायकों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार एक आदिवासी महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर आदिवासी समाज को ऐतिहासिक सम्मान देने का कार्य हमारी सरकार में किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने 10 साल में 4 करोड़ से अधिक घर बनाए,11 करोड़ को गैस सिलेंडर,12 करोड़ घरों में शौचालय,15 करोड़ घरों में नल से जल, और 70 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन और 5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा दिया है।

बस्तर का नया सपना सुकमा से सब-इंस्पेक्टर, कांकेर से कलेक्टर

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि असली विकास तब होगा जब बस्तर से डॉक्टर,कलेक्टर,बैरिस्टर और प्रशासनिक अधिकारी निकलेंगे। उन्होंने आहवान किया कि अब बस्तर को हथियार नहीं, कलम और कंप्यूटर की शक्ति से आगे ले जाना है।

डीआरजी, सीआरपीएफ और एसटीएफ जवानों से अमित शाह ने की मुलाकात

डीआरजी, सीआरपीएफ और एसटीएफजवानों से केंद्रित गृहमंत्री अमित शाह ने मुलाकात की। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर अपने एक दिवसीय दंतेवाड़ा जिले के प्रवास पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की पूजा अर्चना कर देश एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव विजय शर्मा, मंत्री रामविचार नेताम , केदार कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण देव, अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, सचिव राहुल भगत, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर सुंदरराज पी सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मां दंतेश्वरी की पूजा अर्चना कर देश प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर अपने एक दिवसीय दंतेवाड़ा जिले के प्रवास पर पहुंचे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की

पूजा अर्चना कर देश एवं प्रदेश वासियों की सुख समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर सीएम विष्णु देव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव एवं विजय शर्मा, मंत्री राम विचार नेताम , केदार कश्यप, विधायक किरण देव अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, सचिव श्री राहुल भगत, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह,आई.जी बस्तर शसुंदरराज पी सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

अपडेट दंतेवाड़ा हादसे पर 2 ग्रामीणों की हुई मौत

दंतेवाड़ा में बड़ा हादसा हो गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे ग्रामीणों से भरी पिकअप पलट गई। दर्दनाक हादसे में दो की मौत हो गई। वहीं, 30 ग्रामीण घायल हो गये। बताया जा रहा है कि घायलों में 6 की हालत नाजुक बनी हुई है। उपचार अस्पताल में जारी है। दंतेवाड़ा जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र पोटली के हाई स्कूल मैदान में बस्तर पंडुम का समापन कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल हुए। कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए जिले से बड़ी संख्या में ग्रामीण पिकअप में सवार होकर पोटली ग्राम के लिए निकले थे। इसी दौरान पालनार के पास पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने फोन कर पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से पिकअप के नीचे दबे लोगों का रेस्क्यू किया गया। भीषण हादसे में दो ग्रामीणों की मौत हो गई। वहीं, 30 ग्रामीण घायल हो गये, जिनमें से 6 की हालत नाजुक बनी हुई है।

महत्वपूर्ण खबर

पराग चाकोर बोरकर बने रायपुर जोन के चीफ कमिश्नर

मानस रंजन मोहंती को मिली भोपाल की जिम्मेदारी

रायपुर,05 अप्रैल 2025(ए)। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के अधिकारियों को पदोन्नति देने के साथ तबादला आदेश जारी किया है। जारी सूची में मानस रंजन मोहंती को भोपाल जोन का चीफ कमिश्नर नियुक्त किया गया है। वहीं पराग चाकोर बोरकर को रायपुर कार्यालय में बतौर प्रिंसिपल कमिश्नर नियुक्त किया गया है।

शशांक शर्मा बने साहित्य अकादमी के अध्यक्ष

रायपुर,05 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने साहित्य अकादमी के अध्यक्ष पद पर शशांक शर्मा की नियुक्ति की है। यह निर्णय तब लिया गया, जब उनके पिछले आदेश में संशोधन किया गया।

नागपुर रूट की 50 ट्रेनें रद्द

6 गाड़ियों के मार्ग में किया परिवर्तन

बिलासपुर/रायपुर,05 अप्रैल 2025(ए)।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने नागपुर मंडल में तीसरी लाइन को जोड़ने के काम के कारण 50 ट्रेनों को रद्द किया गया है, वहीं 6 ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है और 28 ट्रेनें बीच रास्ते में ही समाप्त कर दी जाएंगी। रेलवे प्रशासन की ओर से बताया गया कि यह निर्णय राजनांदगांव से कलमना सेक्शन के बीच तीसरी रेल लाइन को गोंदिया से जोड़ने के चलते लिया गया है। यह कार्य 23 अप्रैल से 6 मई 2025 तक चलेगा। इस दौरान विद्युतीकरण और कनेक्टिविटी का काम भी किया जाएगा ताकि भविष्य में ट्रेनों का संचालन ज्यादा तेज और सुगम हो सके।

8 अप्रैल से शुरू होगा सुशासन तिहार

जनता दे सकेगी आवेदन,सीएम करेंगे विकास कार्यों का औचक निरीक्षण.

रायपुर,05 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने सुशासन को मजबूत करने और जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सुशासन तिहार-2025 का आयोजन करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी जिला कलेक्टरों को पत्र जारी कर इस आयोजन को 8 अप्रैल से 31 मई तक तीन चरणों में संपन्न करने के निर्देश दिए हैं। यह तिहार जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा और जन संवाद को बढ़ावा देने का भी माध्यम बनेगा।

पहले चरण में 8 से 11 अप्रैल तक लिये जायेंगे आवेदन

मुख्यमंत्री ने बताया कि सुशासन तिहार का पहला चरण 8 से 11 अप्रैल तक चलेगा,जिसमें जनता अपनी समस्याओं के आवेदन जमा कर सकेगी। दूसरा चरण आवेदनों के निराकरण के लिए एक महीने तक चलेगा, जबकि तीसरे चरण में 5 से 31 मई तक समाधान शिविर लगाए जाएंगे। इसकी व्यवस्था के लिए एक विशेष पोर्टल तैयार किया जा रहा है और विस्तृत दिशा-निर्देश जारी होंगे।

आवेदन के लिए व्यापक व्यवस्था

सीएम ने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय, जिला और विकासखंड मुख्यालयों पर 8 से 11 अप्रैल तक सुबह 10 से शाम 5 बजे तक समाधान पेटी रखी जाए। लोग अपनी शिकायतें लिखकर इनमें डाल सकेंगे। हाट-बाजारों और कॉमन सर्विस सेंटर के जरिए भी आवेदन लिए जाएंगे। ऑनलाइन पोर्टल पर भी आवेदन की सुविधा होगी। प्रत्येक आवेदन को एक कोड दिया जाएगा और खाली फॉर्म ग्रामीणों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

आवेदनों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

सभी आवेदनों को पोर्टल पर पंजीकृत कर अपलोड किया जाएगा और आवेदक को पावती दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर सहायता के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इसकी जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार होगा।

एक माह में होगा निराकरण

प्राप्त आवेदनों को स्कैन कर संबंधित अधिकारियों को भेजा जाएगा, जो एक महीने में समाधान करेंगे। बजट के आधार पर मांगों का निराकरण होगा और इसकी गुणवत्ता की जांच जिला व राज्य स्तर पर की जाएगी।

जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित

कलेक्टरों को स्थानीय सांसदों, विधायकों और जनप्रतिनिधियों को शामिल करने और उन्हें समय पर जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम करेंगे औचक निरीक्षण

मुख्यमंत्री स्वयं विकास कार्यों और योजनाओं का औचक निरीक्षण करेंगे। लोगों से योजनाओं के लाभ पर फीडबैक लिया जाएगा। प्रभारी मंत्री और सचिव भी इस प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे।

पीसीसी चीफ ने डोंगरगढ़ में अवैध शराब बॉटलिंग को लेकर सरकार को घेरा

पुलिस कस्टडी में मौत पर भी साधा निशाना

रायपुर,05 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ के करवरी में अवैध शराब बॉटलिंग के मामले को लेकर प्रदेश की सरकार को घेरा। दीपक बैज ने कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेशभर में इस मामले को लेकर प्रदर्शन किए जाने की बात कही है।

देवी भक्ति की अनोखी मिसाल

» महिला ने पेट पर स्थापित किया ज्योति कलश...

» 7 दिनों से बिना पानी पीए कर रही तपस्या...

बलौदाबाजार,05 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के सकरी गांव में चैत्र नवरात्रि के दौरान एक महिला की अनोखी आस्था ने सभी का ध्यान खींचा है। गांव की रेवती फेकर ने मां दुर्गा के प्रति अपनी अटूट भक्ति दिखाते हुए अपने पेट पर ज्योति कलश स्थापित किया है। पिछले सात दिनों से वे कठोर तपस्या में लीन हैं और इस दौरान उन्होंने पानी की एक बूंद भी ग्रहण नहीं की, सिर्फ गीले कपड़े से होंठ तर किए हैं। उनकी इस साधना को देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु गांव पहुंच रहे हैं।

रेवती की यह भक्ति किसी मनोकामना के लिए नहीं, बल्कि केवल मां दुर्गा की शुद्ध आराधना के लिए है। उनके पति राहुल फेकर ने बताया कि रेवती पहले भी ज्योति कलश स्थापित करना चाहती थीं, लेकिन तब उन्होंने इजाजत नहीं दी थी। इस बार रेवती की जिद और आस्था के आगे राहुल ने हामी भर दी। नवरात्रि के पहले दिन से शुरू हुई उनकी यह तपस्या अब चर्चा का विषय बन गई है। राहुल उनकी इस साधना में हर कदम पर साथ दे रहे हैं। रेवती की अनोखी भक्ति ने गांव में हलचल मचा दी है। आसपास के इलाकों से लोग उनकी साधना को देखने और आशीर्वाद लेने सकरी पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि बिना किसी स्वार्थ के मां दुर्गा की ऐसी आराधना आज के समय में दुर्लभ है। रेवती की तपस्या न केवल विश्वास और समर्पण की मिसाल है, बल्कि यह भी दिखाती है कि सच्ची श्रद्धा से असंभव को संभव बनाया जा सकता है। उनकी यह अनोखी साधना मां दुर्गा के प्रति अटूट प्रेम और भक्ति का जीवंत उदाहरण बन गई है।

घूसखोर एएसआई रिश्वत लेते गिरफ्तार

7 महीने में पुलिसकर्मी के खिलाफ एसीबी की छठी कार्रवाई

रायपुर,05 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में एसीबी ने रिश्वत लेते सहायक उप निरीक्षक को गिरफ्तार किया है। एसीबी की टीम नेएएसआई को थाने के अंदर पीड़ित से 10 हजार की नगदी लेते रंगे हाथ पकड़ा है। मालूम हो कि पिछले सात महीने में एसीबी की ये छठी कार्रवाई है। पीड़ित पंचराम चौहान निवासी केसला जिला कोरबा द्वारा एसीबी बिलासपुर में लिखित शिकायत की कि उसके पास एक बोलेरो वाहन है। कुछ दिन पहले हरदीबाजार थाना जिला कोरबा में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक मनोज मिश्रा रात करीब 1 बजे उनके केसला गांव स्थित घर पर आया था और बोला कि तुम्हारी बोलेरो गाड़ी से डीजल चोरी का कार्य होता हैगाड़ी को थाने ले चलो जिस पर वह गाड़ी को लेकर थाने के लिए निकला था जो बीच रास्ते में मनोज मिश्रा द्वारा गाड़ी को कार्यवाही से बचाने के एवज में 50000 रुपए की मांग की गई। प्रार्थी द्वारा उतना पैसा देने की क्षमता न होना बोलने पर अनावेदक द्वारा गाड़ी को अपने पास रखवा

लिया। दूसरे दिन सुबह एएसआई द्वारा प्रार्थी के वाहन को वापस कर दिया और बोला कि पैसे की व्यवस्था जल्द कर लेना।

पीड़ित रिश्वती नहीं देना चाहता था बल्कि रिश्वत लेते पकड़वाना चाहता था। शिकायत का सत्यापन कराने पर शिकायत सहीं पाई गई। आरोपी को पकड़ने की योजना एसीबी द्वारा बनाई गई। पीड़ित को आज सहायक उप निरीक्षक मनोज मिश्रा के पास मांगी गई रिश्वत 10000 रूपये को देने के लिए भेजा गया।थाना कोतवाली के परिसर में पीड़ित से रिश्वत लेते हुए मनोज मिश्रा को एसीबी की टीम ने पकड़ा। सहायक उप निरीक्षक के विरुद्ध धारा 7 पीसी एक्ट 1988 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)